लखनऊ

बुधवार, 16 जुलाई, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 7

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

दीर्घायु होना नहीं बल्कि जीवन की गुणवत्ता का महत्व होता है। - मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

स्वर्ण मंदिर के लंगर हॉल को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा हाई अलर्ट

अमृतसर। स्वर्ण मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी आज ईमेल के माध्यम से मिली। धमकी मिलने के बाद गोल्डन टेंपल के अंदर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की टास्क फोर्स और बाहर पुलिस तैनात की गई है। इस पूरे मामले के बारे में एसजीपीसी सदस्य कुलवंत सिंह मनन ने बताया कि धमकी के बाद गोल्डन टेंपल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। टास्क फोर्स को स्पेशल हिदायत दी गई है कि संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोक जा सके। इस धमकी के बारे में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि श्री दरबार साहिब के लंगर हॉल को उड़ाने की धमकी ईमेल के ज़रिए भेजी गई है। संबंधित एसएचओ इस मामले की जाँच कर रहे हैं कि क्या किसी ने धमकी दी है या कोई शरारत की है। उन्होंने कहा कि वह अभी इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। प्रेस वार्ता के दौरान एडवोकेट धामी ने कहा कि 350 वर्षीय शताब्दी समारोह के अंतर्गत धार्मिक आयोजन किए जाएँगे, जिनमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष समेत विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी निमंत्रण भेजा जाएगा। शंकराचार्य और अन्य धर्मों के बड़े चेहरों को भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिख धर्म के अलावा अन्य धर्मों के लोगों से भी आयोजनों में शामिल होने की अपील की जा रही है। उन्होंने बताया कि शताब्दी समारोह को समर्पित विशेष नगर कीर्तन असम और जम्मू से निकाले जाएँगे। आयोजनों के दौरान एक सर्वधर्म सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा।

2.20 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर । अमरनाथ यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पिछले 12 दिनों में 2 .20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। इसके साथ ही मंगलवार को जम्मू से 6,388 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए कश्मीर रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 2 .20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को भगवती नगर यात्री निवास से 6,388 यात्रियों का एक और जत्था दो काफिलों में कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। पहला काफिला, जिसमें 103 वाहनों में 2,501 यात्री थे, सुबह 3 :26 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए निकला। दूसरा काफिला, जिसमें 145 वाहनों में 3,887 यात्री थे, सुबह 4 :15 बजे नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में जम्मू-कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। अधिकारियों ने कहा कि बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस शिविरों से यात्रियों को पवित्र गुफा की ओर जाने की अनुमति मौसम की स्थिति देखने के बाद ही दी जाएगी। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी।

छात्रा के शव का अंतिम संस्कार, मृतका के पिता बोले- हमें मुआवजा नहीं बेटी चाहिए

भुवनेश्वर/बालासोर। ओडिशा के बालासोर में यौन उत्पीड़न से परेशान होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा के शव का मंगलवार को बालासोर में उसके गांव में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पूरा गांव गम में डूबा रहा। जिले भर के सैकड़ों लोगों ने छात्रा को श्रद्धांजलि दी। वहीं मृतका के पिता ने सरकार के मुआवजे को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि हमें मुआवजा नहीं बेटी चाहिए। उधर, छात्रा की मौत को लेकर कांग्रेस ने 17 जुलाई को ओडिशा बंद का एलान किया है।

बालासोर स्थित फकीर मोहन स्वायत्तशासी महाविद्यालय में प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न से क्षुब्ध होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा का सोमवार देर रात को निधन हो गया था। छात्रा के शव का मंगलवार को उसके गांव में अंतिम संस्कार किया गया। छात्रा के चचेरे भाई ने उसकी चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान भाजपा बालासोर सांसद प्रताप सारंगी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी समेत हजारों लोगों ने छात्रा को श्रद्धांजलि दी। स्थानीय लोगों ने न्याय के लिए लड़ते हुए और कॉलेज के शिक्षक की कथित मांग को न मानने वाली बहादुर छात्रा को अश्रुपूर्ण अंतिम विदाई दी।

'क्या सरकार मुझे मेरी बेटी दे सकती है?'

छात्रा के पिता ने कहा कि मेरी बेटी ने मुझे लड़ना सिखाया है और मैं इसे जारी रखूंगा। मुझे पैसे या मुआवजा राशि की जरूरत नहीं है। मुझे मेरी बेटी वापस चाहिए। क्या सरकार मुझे मेरी बच्ची वापस दे सकती है? छात्रा की मां ने कहा कि कृपया मुझे माफ कर दीजिए। मैं बोल नहीं सकती। छात्रा के दादा ने कहा कि सरकार उसे न्याय दिलाने में नाकाम रही। इसलिए उसने अपनी जान दे दी। उसने विधायक से लेकर केंद्रीय मंत्री तक सभी से गुहार लगाई थी।

कांग्रेस ने किया ओडिशा बंद का एलान

ओडिशा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने छात्रा की मौत को लेकर 17 जुलाई को ओडिशा बंद का एलान किया है। उन्होंने कहा कि छात्रा ने न्याय के लिए हर दरवाजा खटखटाया, यहां तक कि एफआईआर भी दर्ज करवाई, लेकिन उसे न्याय नहीं मिला... वह विधायक के पास भी गई। विधायक उसे न्याय दिला सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। सांसद ने भी इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। क्या इस मामले को गंभीरता से लेना उनकी जिम्मेदारी नहीं थी?अगर थोड़ी भी कार्रवाई की गई होती, तो स्थिति इस हद तक नहीं आती कि उस छात्रा को अपनी जान देनी पड़े। सरकार को यह अहसास ही नहीं हुआ कि यह उनकी जिम्मेदारी है। हमारी मांग है कि शिक्षा मंत्री, विधायक और सांसद तीनों को इस्तीफा देना चाहिए और उनकी पार्टी को तीनों को निष्कासित करना चाहिए। 17 तारीख को हमने ओडिशा बंद का आह्वान किया है, और हम सभी वर्गों से इसका समर्थन करने की अपील करते हैं।

ग्रामीणों ने की दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों ने भी छात्रा की मौत के लिए जिम्मेदार दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एक ग्रामीण ने कहा कि छात्रा प्राकृतिक आपदाओं, खासकर बाढ़ के दौरान सक्रिय रहती थी। वह बाढ़ के दौरान महिलाओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में प्रशासन की मदद करती थी। एक शिक्षक ने कहा कि हमें विश्वास नहीं है कि वह आत्महत्या करेगी। वह मानसिक रूप से मजबूत और प्रतिभाशाली छात्रा थी। वह मेरी छात्रा थी। न्याय न मिलने पर उसे आग लगाकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया गया।

12 जुलाई को किया था आत्मदाह

गौरतलब है कि फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज, बालासोर के एकीकृत बीएड कार्यक्रम की द्वितीय वर्ष की छात्रा ने शनिवार 12 जुलाई को एचओडी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग करते हुए खुद को आग लगा ली थी। छात्रा ने आरोप लगाया था कि शिक्षक ने उसका यौन और मानसिक उत्पीड़न किया था। छात्रा का सोमवार देर रात को निधन हो गया था। उसने एम्स भुवनेश्वर में अंतिम सांस ली।

पटना में कानून-व्यवस्था को लेकर 'गुंडाराज' के लगे पोस्टर, आठ हत्याओं का जिक्र

पटना, एजेंसी। बहार की कानून-व्यवस्था को लेकर राजद से लेकर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल लगातार प्रदेश में हो रही आपराधिक घटनाओं को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। इस बीच, पटना के कई चौक-चौराहों पर 'बिहार में गुंडाराज' के पोस्टर लगाए गए हैं, जिसमें आठ हत्याकांडों का जिक्र है।

पटना के जेपी गोलंबर, इनकम टैक्स चौराहा, वीरचंद पटेल रोड, बोरिंग रोड चौराहा सहित अन्य स्थानों पर लगे ये पोस्टर किसके द्वारा लगाए गए हैं, इसका जिक्र इन पोस्टर में नहीं किया गया है। पोस्टर के बीच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की तस्वीर है और लिखा गया है, 'बिहार में गुंडाराज', कारोबारियों पर कहर।'

पोस्टर के चारों तरफ बिहार में हाल ही में हुए आठ हत्याकांडों का तारीख के साथ जिक्र किया गया है, जिसमें मृतकों की तस्वीर भी लगाई गई है। पोस्टर में सबसे पहले मशहूर उद्योगपति गोपाल खेमका की तस्वीर के साथ उनकी हत्या की तारीख लिखी हुई है। इसी तरह, व्यवसायी दीपक शाह, मार्ट के मालिक विक्रम झा, शिक्षक संतोष राय, और बालू कारोबारी रमाकांत यादव की हत्या का भी पोस्टर में जिक्र किया गया है। इसके अलावा, पोस्टर में कारोबारी पुट्टू खान और वकील जितेंद्र मेहता की भी हत्या का जिक्र किया गया है, जिनकी 13 जुलाई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इधर, कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने मंगलवार को बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि बिहार में गुंडाराज चल रहा है। कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लावरू ने कहा, बिहार देश का क्राइम कैपिटल बन गया है। यह तब से हुआ है, जब से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हुए हैं और बिहार की सरकार भाजपा चला रही है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए थे।

'सुप्रीम कोर्ट हर काम नहीं कर सकता है', एसआईआर समेत कई मुद्दों पर बोले पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल ने भारतीय न्याय प्रणाली में सुधार और बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने विपक्ष के चुनाव आयोग पर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट हर काम नहीं कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल ने विशेष गहन पुनरिक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर कहा, मैं कहूंगा कि राजनीतिक लड़ाई या मतभेद को राजनीतिक तरीके से ही सुलझाना चाहिए। कोर्ट राजनीति के प्रॉबलम को सॉल्व करने के लिए नहीं है। कई बार चीजों का लीगल रेमीफिकेशन होता है और इसलिए एक साथ बहुत से लोग अपना पक्ष रखने के लिए आ जाते है और यहां सुप्रीम कोर्ट की दिक्कत ज्यादा होती है। सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना चाहिए कि उसे कौन से मामले सुनने हैं और कौन से नहीं। अलग-अलग कामों के लिए अलग संस्थाएं हैं, जैसे चुनाव आयोग, जो एक संवैधानिक संस्था है। उसमे अगर किसी मामले मे कानूनी सवाल है, तभी उसमे हस्तक्षेप होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट नीतियां नहीं बना सकता या चुनाव आयोग का काम नहीं कर सकता, लेकिन वह चेक एंड बैलेंस का काम करता है। विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाने को लेकर पूर्व जस्टिस ने कहा, ये राजनीतिक मतभेद हैं और आज की राजनीति में मध्यम मार्ग मुश्किल हो गया है, क्योंकि लोग अपने विचारों पर अड़े रहते हैं। फिर भी, चुनाव प्रणाली काम करती है, क्योंकि कई राज्यों में विपक्षी दल जीतते हैं, जिनमें बंगाल, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। बीजेपी भी सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में जीतती है। यह नहीं कहा जा सकता कि 'मैं जीता तो ठीक, नहीं जीता तो गड़बड़ है।' पूर्व जस्टिस संजय किशन कौल ने भारतीय न्याय प्रणाली में सुधार पर कहा, चीफ जस्टिस के सुधार की बात में कोई निहित मकसद हो सकता है। सबसे बड़ी समस्या मामलों की पेंडेंसी है। इसका समाधान जजों की पर्याप्त नियुक्ति से हो सकता है। हाईकोर्ट में एक-तिहाई पद खाली हैं और यह संख्या बढ़ रही है। निचली अदालतों में भी यही हाल है।

भाजपा के सिस्टम ने की ओडिशा में छात्रा की हत्या, प्रधानमंत्री जवाब दें : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ओडिशा के बालासोर में आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत के बाद मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिस्टम ने इस लड़की की हत्या की है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि पीएम मोदी को इस विषय पर चुप्पी नहीं साधनी चाहिए, बल्कि जवाब देना चाहिए।

एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किए जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद भुवनेश्वर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सोमवार रात दम तोड़ दिया।

बीएड सेकंड इयर की थी छात्रा

वह बालासोर के फकीर मोहन (स्वायत्त) महाविद्यालय की एकीकृत बीएड सेकंड इयर की छात्रा थी। शिक्षक के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से आहत छात्रा ने शनिवार को यह कदम उठाया और वह 95 प्रतिशत तक झुलस गई थी।

भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत, सीधे-सीधे भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन न्याय देने के बजाय उसे धमकाया गया और प्रताड़ित किया गया। साथ ही बार-बार अपमानित किया गया।

भारत की बेटियों को सुरक्षा और इंसाफ चाहिए

उन्होंने कहा कि जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे। हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया। राहुल गांधी ने दावा किया कि ये आत्महत्या नहीं सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। आगे ये भी कहा कि मोदी जी ओडिशा हो या मणिपुर- देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं, दम तोड़ रही हैं और आप खामोश बने बैठे हैं। देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में दर्दनाक हादसा, टेंपो ट्रैवलर के खाई में गिरने से 3 लोगों की मौत

डोडा। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। इस हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत होने की सूचना है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए डोडा के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) ले जाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को डोडा-बराथ मार्ग पर पोंडा इलाके में यह सड़क हादसा हुआ। एक टेंपो ट्रैवलर सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना के समय वाहन में कई यात्री सवार थे।

इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और राहत एवं बचाव टीम मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस टीम ने शवों और घायलों को खाई से बाहर निकाला।

सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। अब तक 3 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि, इस दुर्घटना में मौतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कुछ लोगों की स्थिति गंभीर है। उनका फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। इधर, घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी जारी है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सड़क दुर्घटना की पुष्टि की है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, डोडा शहर से लगभग 20 से 25 किलोमीटर दूर बराथ गांव के पास एक निजी टेंपो सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर अभी-अभी डोडा के डीसी हरविंदर सिंह से बात की। अब तक 3 लोगों के हताहत होने की सूचना है, 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

एकतरफा मोहब्बत नहीं हो सकती ... बिहार चुनाव में इंडिया ब्लॉक से जुड़ने से ओवैसी ने किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना से इनकार किया और राज्य में तीसरा मोर्चा बनाने के लिए समर्थन दोहराया। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं उठता और उन्होंने विरोधी दलों पर हाशिए पर पड़ी आवाज़ों को दबाने के लिए उनकी पार्टी को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

एएनआई के अनुसार, ओवैसी ने कहा कि एकतरफ़ा प्यार नहीं चलेगा... बिहार के लोगों को समझना चाहिए कि हम पर लगाए गए आरोप झूठ पर आधारित हैं। वे नहीं चाहते कि गरीबों और उत्पीड़ितों का कोई नेता उभरे। ओवैसी ने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चाहते हैं कि बिहार के लोग उनके अधीन रहें। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि बिहार के लोग उनके गुलाम बने रहें... हम अपना चुनाव अच्छे से लड़ेंगे। भाजपा नीत एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों के राजनीतिक विकल्प के विचार का समर्थन करते हुए हैदराबाद के सांसद ने कहा कि एआईएमआईएम बिहार में तीसरा मोर्चा बनाने के पक्ष में है। ओवैसी ने आगे कहा कि हमारी बिहार इकाई के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा है कि हमें तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश करनी चाहिए। यह हमारी तरफ से एक प्रयास था। अब सब कुछ बिहार की जनता के सामने है। इस महीने की शुरुआत में, बिहार में एआईएमआईएम के इकलौते विधायक अख्तरुल ईमान ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को एक पत्र लिखकर महागठबंधन में शामिल होने की माँग की थी, जिसमें वर्तमान में राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं।

टेनिस खिलाड़ी राधिका हत्याकांड में नया मोड़, दोस्त ने वीडियो पोस्ट कर किया चौंकाने वाला दावा, अब पुलिस करेगी पूछताछ

गुरुग्राम, एजेंसी। नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के मामले में नया मोड़ सामने आया है। राधिका की करीबी दोस्त हिमांशिका द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किए गए दो वीडियो का गुरुग्राम पुलिस ने संज्ञान लिया है। अब पुलिस हिमांशिका को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाने की तैयारी कर रही है। हिमांशिका ने अपने दूसरे वीडियो में दावा किया था कि राधिका के पिता दीपक यादव पिछले तीन दिनों से उसकी हत्या की साजिश रच रहे थे। पुलिस अब इस दावे की पुष्टि के लिए हिमांशिका से पूछताछ करेगी।

क्या बोले गांववाले?

घटना 10 जुलाई की सुबह की है। सेक्टर 57 स्थित घर में राधिका अपने परिवार के लिए किचन में खाना बना रही थीं, तभी पिता ने उन पर चार गोलियां दाग दीं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दीपक यादव ने हत्या की वजह गांव के लोगों द्वारा 'बेटी की कमाई खाने' और 'गिरा हुआ बाप' कहे जाने के तानों को बताया था। हालांकि, पुलिस और ग्रामीणों को यह तर्क पूरी तरह असंगत लगा।

सोशल मीडिया पर उठे सवाल

राधिका की मौत के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। इसी बीच उनकी दोस्त हिमांशिका ने शनिवार और रविवार को दो वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किए, जिनमें उसने कई गंभीर आरोप लगाए। पुलिस अब इन बयानों की सत्यता की जांच करेगी। गौरतलब है कि राधिका यादव एक उभरती हुई राष्ट्रीय स्तर की टेनिस खिलाड़ी थीं और उनकी हत्या ने पूरे खेल जगत और समाज को झकझोर कर रख दिया है।

प्रचार वाहनों के जरिए डायरिया के प्रति लाएंगे जन जागरूकता

सीएमओ ने दिखाई हरी झंडी, कहा- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए जागरूकता जरूरी

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से प्रचार वाहनों को रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों खासकर मलिन बस्तियों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे।

\इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से

सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का सन्देश पहुंचाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम-"डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए।

इस मौके पर एसीएमओ डॉ. मोहन झा, डॉ. जावेद हुसैन, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित रस्तोगी, डॉ. निरंजन गंगवार, डॉ. राजवीर सिंह गंगवार, डीएमओ योगेश सारस्वत, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर अरविंद कुमार राणा, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता जितेंद्र शर्मा, अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर उमेश चन्द्र राठौर, संतोष सागर, अभय प्रताप सिंह-राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा पीएसआई इंडिया से शशांक दुबे आदि मौजूद रहे।

सीसी रोड निर्माण में भारी भ्रष्टाचार का आरोप, मुख्यमंत्री से शिकायत

सुलतानपुर। विकास खण्ड पी.पी. कमैचा क्षेत्रान्तर्गत रूपी का पूरा, रामगढ़ में सीसी रोड निर्माण में भारी अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार को लेकर स्थानीय निवासी अनिल त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री से ऑनलाइन शिकायत किया है। कियतकर्ता ने बताया कि डॉ. लाल बहादुर त्रिपाठी के घर से उनके घर तक सीसी रोड निर्माण की मांग पर पूर्वांचल विकास निधि के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्माण कार्य कराया गया, किंतु यह कार्य न तो मानक के अनुरूप है और न ही पूरा। अनिल त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सीसी रोड निर्माण कार्य में न गुणवत्ता का ध्यान रखा गया और न ही मानक प्रक्रिया का पालन किया गया। कार्यस्थल पर कोई सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया, जिससे ग्रामीणों को लागत और कार्यकाल की जानकारी नहीं मिल सकी।

मोटापा और खून की कमी मातृत्व लाभ के लिए हानिकारक : डॉ .रितु खन्ना

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश की सुप्रसिद्ध एवं देश की विख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रितु खन्ना ने रविवार को सुल्तानपुर ऑब्स एंड गायनी सोसाइटी व ब्लिसन मेडिका के संयुक्त तत्वाधान में संस्था के अध्यक्ष डॉ रेखा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सेमिनार में महिलाओं में होने वाली तरह-तरह की बीमारियों पर चर्चा की गई। जिसमें प्रमुख रूप से पीसीओएस एवं प्रसव महिलाओं में खून की कमी तथा न्यूट्रीशन पर विस्तृत चर्चा हुई। सेमिनार में उपस्थित चिकित्सकों ने सवाल जवाब भी किए सुल्तानपुर के माने जाने डॉक्टरों के साथ विभिन्न विषयों पे फलदायक चर्चा किया मात्र तालाब के लिए मोटापा और खून की कमी दोनों परेशानी का कारण बनते हैं ऐसे में अगर हम अपने शरीर को स्वस्थ और शरीर में खून की कमी न होने दे तो सुखमय मातृत्व लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे। इस सेमिनार में आज के रहन सहन, खान पान के कारण किशोरा अवस्था में उत्पन पीसीओएस एवं एनीमिया को कैसे निजात दिलाया जा सके इस पर ब्लिसन द्वारा निर्मित दवा बेरिटोल और इंज आई 3 पर विस्तृत चर्चा हुई जिससे इस पर काफी हद तक निजात पाई जा सके। इसके साथ साथ अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ डॉ यू बी सिंह ने कहां कि अगर हम लोग अपना मोबाइल वाइब्रेशन पर करके जेब में रखना बंद कर दें तो हम इंपोर्टेंस से निजात पा सकते हैं लेकिन अधिकतर लोग मोबाइल को अपने वाइब्रेशन पर लगाकर नई-नई बीमारी को होने का निमंत्रण दे रहे हैं। इस प्रयोजन में ब्लिसन कंपनी के अधिकारी सुरेंद्र नाथ मिश्रा नहीं बताया कि हमारी कंपनी समय-समय पर भारत देश में पहली बार मरीज के लिए दवाइयां का उत्पादन करती रहती है।

चौराहे पर मिला लड़का, कोल्डड्रिंक पिलाकर किया बेहोश... दोनों लड़कियों को ले गए होटल और किया गैंगरेप

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर के नूरपुर में दो लड़कियों के साथ उनके जानने वाले एक शख्स ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दुष्कर्म किया। एक लड़की हाल ही में बीमार हुई थी, जिससे मिलने के लिए उसकी दोस्त धामपुर से नूरपुर आई थी। जब वह अपनी दोस्त से मिलने के बाद वापस जाने लगी तो लड़की अपनी दोस्त को छोड़ने के लिए आई। तभी चौराहे पर लड़कियों को एक लड़के ने कोल्डड्रिंक में नशीली दवा मिलाकर पिला दी और बेहोशी की हालत में अपने साथ ले गया।

दरअसल, नूरपुर के एक गांव की रहने वाली एक 17 साल की लड़की बीमार हो गई थी। जब वह ठीक हो गई तो उसकी धामपुर की दोस्त उससे मिलने के लिए नूरपुर आई। मुलाकात के बाद 8 बजे दोनों सहेलियां नूरपुर-धामपुर तिराहे पर श्रीव्हिलहर के इंतजार में खड़ी थीं।

तभी नूरपुर वाली लड़की की पहचान का एक युवक जिसका नाम फरमान था। वह मिला और दोनों के लिए कोल्डड्रिंक ले आया।

कोल्डड्रिंक पीकर आया चक्कर

इसके बाद उसने दोनों को कोल्डड्रिंक पिला दी और वहीं खड़ा बातें करता रहा। कोल्डड्रिंक पीने के बाद थोड़ी ही देर में दोनों लड़कियों को चक्कर आने लगे। फरमान ने लड़कियों से अपनी बाइक से उनके घर पर छोड़ने की बात कही और अपने साथ ले गया। लेकिन फरमान दोनों सहेलियों को उनके घर छोड़ने की बजाय शहीद नगर के एक मैदान में ले गया, जहां उसने अपने तीन और दोस्तों को भी बुला दिया।

होटल में चार युवकों ने किया गैंगरेप

फरमान और उसके एक दोस्त गुलफाम ने दोनों लड़कियों के साथ गैंगरेप किया। इसके बाद फरमान, गुलफाम और उनके बाकी दो दोस्त दोनों लड़कियों को लेकर नूरपुर से मुरादाबाद रोड पर स्थित एक होटल में ले गए। होटल के कमरे में भी चारों ने दोनों सहेलियों के साथ दुष्कर्म किया और देर रात दोनों को बेहोशी की हालत होटल में ही छोड़कर भाग गए।

शिकायत के बाद दर्ज हुआ केस

सुबह जब दोनों लड़कियों को होश आया तो उन्होंने अपने घर पर फोन करके आपबीती सुनाई, जिसे सुनकर उनके घर वालों के होश उड़ गए। लड़कियों की जानकारी मिलने के बाद वह होटल पहुंच गए। उनके परिजन उन्हें नूरपुर थाने लेकर पहुंचे, जहां उन्होंने फरमान और उसके दोस्तों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए तहरीर दी। शिकायती पत्र, दोनों सहेलियों के बयान और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नूरपुर थाना पुलिस ने गैंगरेप और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस केस दर्ज करने के बाद तुरंत कार्रवाई में जुट गई और फरमान को गिरफ्तार भी कर लिया। अब पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश में जुट गई है। उन्हें भी जल्द ही पकड़ने की बात कही जा रही है। पुलिस ने लड़कियों का बयान दर्ज कर लिया है।

फेसबुक पर सनातन व मोदी-योगी परआपत्तिजनक पोस्ट, ज्ञापन-प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। पिछले कुछ महीने से 'अखिलेश चौहान' नामक फेसबुक आईडी से लगातार सनातन धर्म की आस्था व मान्यताओं के विरुद्ध अपमानजनक व अभद्र समाज ध्वंशक टिप्पणियां की जा रहीं हैं। पीएम मोदी-सीएम योगी व संस्कृति संबंधी सरकारी योजनाओं पर अशिष्ट टिप्पणियां करके खिल्ली उड़ाई जा रही है। जो कि सुल्तानपुर के हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरा। सभी मंगलवार को एकजुट सनातन समन्वय अभियान के बैनर तले एकजुट हुए। कलेक्ट्रेट पहुंचे। विधर्मी जनों के कृत्यों पर नाराजगी जताते हुए नारेबाजी की और जिलाधिकारी की प्रतिनिधि सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर उक्त आईडी की पहचान करके कठोर कार्रवाई किये जाने की मांग की। प्राप्त विवरण के मुताबिक, सोशल प्लेटफार्म फेसबुक व कुछ अन्य माध्यमों पर के एन आई टी निवासी किसी युवक ने 'अखिलेश चौहान' नाम से प्रोफ़ाइल आईडी बना रखी है। जो कि रोजाना सनातन की आस्था, मान्यताओं और विश्वास की खिल्ली उड़ाने वाले रील्स व पोस्ट शेयर करके सोशल मीडिया पर डालता रहता है। उक्त आईडी से पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम योगी आदित्यनाथ पर भी अपमानजनक-असभ्य टिप्पड़ियां की जा रही हैं। इसे संज्ञान लेते हुए सनातन समन्वय अभियान कुशभवनपुर के कार्यकर्ताओं ने विहिप पदाधिकारी दिवाकर सिंह, गौरक्षा वाहिनी के प्रमुख सर्वेश सिंह, जयशंकर दूबे ,बजरंगदल के किरण सोनी व संघ आदि से जुड़े लोगों के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर गुस्से की इजहार किया। मोदी-योगी के राज में भी विधर्मी कृत्यों पर लगाम न लग पाने पर रोष जाहिर कर नारेबाजी की। इसके बाद सभी ने संयुक्त रूप से जिलाधिकारी कुमार हर्ष की प्रतिनिधि के रूप में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। अल्टीमेटम दिया कि प्रशासन व पुलिस ऐसे राष्ट्र विरोधी व समाज विरोधी कृत्यों पर नियंत्रण करे।

'तुम कांवड़ लेने मत जाना... ज्ञान का दीप जलाना', छात्रों को यह गीत सुनाने वाले शिक्षक पर मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के बहेड़ी में महाकाल सेवा समिति की तहरीर पर पुलिस ने एमजीएम इंटर कॉलेज के शिक्षक रजनीश गंगवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। रजनीश गंगवार का कांवड़ न ले जाने को लेकर एक कविता गाते वीडियो वायरल हुआ था। इसका लोग विरोध कर रहे थे। महाकाल सेवा समिति ने उनके खिलाफ थाने में तहरीर दी थी। जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एमजीएम इंटर कॉलेज के अध्यापक रजनीश गंगवार का वीडियो वायरल होने के बाद से विवाद पनपा है। दरअसल, शिक्षक ने प्रार्थना स्थल पर बच्चों के सामने 'तुम कांवड़ लेने मत जाना... ज्ञान का दीप जलाना' गीत गाया था। कई लोग इसे धर्म विशेष की भावनाओं से जोड़कर देख रहे हैं। हिंदूवादी संगठन के लोगों ने एतराज जताकर कार्रवाई की मांग की। वहीं कुछ लोगों ने शिक्षक की बात का समर्थन भी किया है। सोशल

मीडिया पर लोग इस गीत के साथ तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं।

शिक्षक बोले- पढ़ाई के प्रति जागरूक के लिए गाया गीत

इस मामले में शिक्षक रजनीश ने खुद को बेकसूर बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने छात्रों को पढ़ाई के प्रति जागरूक करने के लिए यह गीत गाया था, किसी धर्म के विरुद्ध कोई बात नहीं कही है। वहीं डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार सिंह ने बताया कि वीडियो के बारे में जांच कराई गई। इसमें शिक्षक से भी स्पष्टीकरण लिया गया है। शिक्षक की मंशा खराब नहीं है। वीडियो पहले का है, किसी ने तूल देने के लिए जानबूझकर सावन के दिनों में इसे वायरल किया है।

सीओ बहेड़ी अरूण कुमार सिंह ने बताया कि रजनीश गंगवार द्वारा कॉलेज परिसर में छात्र-छात्राओं को इकट्ठा कर कविता पाठ के माध्यम से कांवड़ यात्रा के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस मामले में तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संचारी रोग अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं- सीडीओ

सुलतानपुर। मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान को पूरी गंभीरता से लेने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीडीओ ने कहा कि नगर क्षेत्र और ग्रामीण इलाक़ों में वह स्वयं निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान अगर कहीं भी खामियां पाई गईं, तो तत्काल प्रभाव से कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बैठक में सीडीओ अंकुर कौशिक ने निर्देश दिए कि सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्रों में डीसी दवाओं का छिड़काव, फॉगिंग, नालों की सफाई, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, नमक वितरण और कचरा निस्तारण का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ और तय समयसीमा में पूरा किया जाए। संचारी रोग अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी का 1 दिन का वेतन भी रोक दिया गया है।

डूब गए मंदिर, ढह गया पुल, बह गई भैंसें... यूपी में मानसून से तबाही! 34 जिलों में अलर्ट जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देश के कई राज्यों में मानसून के प्रभाव से भारी बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश में भी मानसूनी बरसात दखने को मिल रही है। प्रदेश में ये मानसूनी बारिश तबाही मचा रही है। सोमवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ, कानपुर और बरेली समेत 15 शहरों में तेज बरसात हुई। बारिश के कारण कानपुर में श्री आनंदेश्वर मंदिर के बाहर लगभग 500 मीटर के दायरे में जलभराव हो गया। प्रयागराज में गंगा-यमुना नदी उफान पर हैं।

यहां नदियों का पानी लेटे हनुमान मंदिर तक आ गया है। उधर भगवान शिव की नगरी काशी में भी बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर है। यहां नदी का जलस्तर 2 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। यहां रत्नेश्वर महादेव मंदिर 80 फीसदी तक डूब गया है। सभी घाटों का संपर्क टूट गया है। इस कारण श्रद्धालु परेशान हैं। वहीं चित्रकूट में बारिश से वाल्मीकि नदी पर बने पुल का एप्रोच धंस गया है।

बारिश के कारण प्रदेश में बांधों का जलस्तर बढ़ा

अभी इस पूल का उद्घघाटन भी नहीं किया गया था। जिले के मानिकपुर इलाके के भौरी-बघवारा रास्ते पर इस पुल का निर्माण किया गया था। इस पूल को बनाने में 10 करोड़ की लागत आई थी। तेज बारिश के कारण प्रदेश में बांधों का जलस्तर भी तय सीमा से पार हो गया है। ललितपुर के गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोल दिए गए। लगातार हो रही बारिश के चलते यहां 12वीं तक के स्कूल मंगलवार तक के लिए बंद किए गए हैं।

झांसी में 15 भैंसे नदी में बहीं

यही नहीं यहां बयाना नाला उफान पर है। 20 से अधिक घरों में नाले का पानी पांच फीट तक भर गया है। कारें और ट्रक भी पानी में डूब गए हैं। झांसी में 15 भैंसे नदी के तेज बहाव में बह गईं। 9 के शव बरामद कर लिए गए हैं। कन्नौज के भीकमपुर गांव में बारिश और जलभराव की वजह से मगरमच्छ नदी से निकलकर खेत में पहुंच गया। वन विभाग की टीम से मगरमच्छ को पकड़कर वापस नदी में छोड़ दिया। इसके अलावा बंदायू में जल भरते समय एक कांवडिया नदी में डूब गया।

इन जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

देर शाम तक गोताखोर उसकी खोज करते रहे, लेकिन वो नहीं मिला। वहीं मौसम विभाग ने मंगलवार को यूपी के 14 जिलों संत कबीरनगर, गोरखपुर देवरिया, मऊ, कुशीनगर, आजमगढ़, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर और सोनभद्र में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। 34 जिलों में अकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी भी दी गई है।

बांस के झुरमुट का विवाद जातीय गोलबंदी से ज्यादा कहीं सियासी अखाड़ा तो नहीं? वाराणसी के छितौना गांव की कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में एक बार फिर जातीय गोलबंदी की राजनीति हावी होती दिख रही है। वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र के छितौना गांव की घटना ने पूर्वांचल में जातीय गोलबंदी को हवा दे दी है। अब यहां सियासी दल खुलकर अगड़ा बनाम पिछड़ा की लड़ाई को अमलीजामा पहना रहे हैं। हालांकि अभी विधानसभा चुनाव में समय है लेकिन नेता हाथ में आए अवसर को छोड़ना नहीं चाह रहे।

छितौना गांव में 5 जुलाई को 2 परिवार के बीच झगड़ा हो गया। झगड़ा आधे बिस्वा जमीन पर बांस के झुरमुट को लेकर था। संजय सिंह अपने दो बेटों के साथ और सुरेंद्र राजभर अपने परिवार के लोगों के साथ लाठी डंडे के जरिए एक-दूसरे पर हमला करने लगे। दोनों ओर से कई लोग घायल हुए। मामले की जानकारी चौबेपुर थाने को दी गई। घायलों को बीएचयू के ट्रामा सेंटर और जिला अस्पताल में भर्ती कराया

गया।

कैसे मामला गांव से निकल हुआ सियासी

यहां तक मामला 2 परिवार के बीच के झगड़े का था जिसे थाने स्तर से सुलझा लिया जाता लेकिन स्थानीय विधायक और कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर की मामले में एंट्री हो जाती है। अनिल राजभर एक पक्ष के घायलों को देखने ट्रामा सेंटर जाते हैं। ट्रामा सेंटर से कैबिनेट मंत्री के लौटने के बाद इस मामले में संजय सिंह और उनके दोनों बेटों के खिलाफ केस दर्ज हो जाता है।

फिर जिला अस्पताल में भर्ती संजय सिंह के दोनों बेटों को जेल भेज दिया गया। इस मसले पर समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि ये सब कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर का किया धरा है। सपा के जिलाध्यक्ष का आरोप है कि ये आधे बिस्वा जमीन का मामला है जो कि थाने और राजस्व विभाग के द्वारा बिगाड़ा गया था, लेकिन अब अनिल राजभर ने इस पूरे मामले को सियासी बना दिया।

संजय सिंह जो पिछले 20 सालों से बीजेपी के बूथ अध्यक्ष हैं, उनकी तरफ से जब एफआईआर नहीं लिखी गई तो इस मामले में करणी सेना की एंट्री होती है। करणी सेना अनिल राजभर पर आरोप लगाती है कि जब वो कैबिनेट मंत्री हैं तो उन्होंने सिर्फ एक पक्ष से ही मुलाकात क्यों की? जैसे ट्रामा सेंटर में राजभर समाज के लोगों को देखने गए वैसे ही जिला अस्पताल जाकर संजय सिंह के परिवार से भी मिल आते।

राजभर के बाद करणी सेना भी एक्टिव

नाराज करणी सेना थाने का घेराव करती है और उसी के दबाव में 24 घंटे के बाद दूसरे पक्ष की भी एफआईआर लिखी जाती है। अब ये दो परिवारों का संघर्ष नहीं रहा। यहां दो समाज आमने-सामने आ गया और दांव पर था "राजभर वोट बैंक"।

छितौना गांव के बहाने राजभर वोट बैंक साधने की कवायद को लेकर राजनीतिक विश्लेषक विजत नारायण का कहना है कि लोकसभा चुनाव में काशी क्षेत्र की 13 में से 11 सीटें भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) हार गई थी। नतीजों के विश्लेषण में ये बात सामने आई कि राजभर समाज का एक बड़ा तबका पीडीए के नाम पर इंडिया गठबंधन के साथ चला गया था। वो बताते हैं, यूपी में विधानसभा की 3 दर्जन सीटों पर राजभर समाज प्रभावी भूमिका में है। अनिल राजभर को अगला चुनाव लड़ना है, लेकिन उनके सामने 10 साल की एंटी इनकंबेंसी और एसटी रिजर्वेशन का वादा पूरा न कर पाने की दोहरी चुनौती है। ऐसे में छितौना गांव के बहाने अनिल राजभर ने जातीय गोलबंदी को हवा दी है। ठाकुर समाज से आने वाले संजय सिंह उनकी अपनी पार्टी के हैं फिर भी अनिल राजभर मुलाकात करते हैं राजभर समाज के लोगों से। गंवई और ठेठ गांव के डांड़-मेढ़ के विवाद को जबरदस्ती सियासी रंग दिया जा रहा है।

बन गई ठाकुर बनाम राजभर की लड़ाई

दो परिवारों की लड़ाई अब दो जाति की लड़ाई बना दी गई है। विवाद बढ़ने पर समाजवादी पार्टी ने अपना प्रतिनिधिमंडल छितौना भेजा। सपा प्रतिनिधिमंडल में सपा सांसद वीरेंद्र सिंह को भी शामिल किया गया था लेकिन ऐन मौके पर वो नहीं गए। बताया गया कि उनकी तबियत ठीक नहीं है लेकिन उनके नहीं आने से पूरे क्षेत्र में इस बात को लेकर भी चर्चा हो रही कि वो क्यों नहीं आए?

कोई और बात तो नहीं?

सपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राम अचल राजभर ने किया। सपा ने सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर जमकर निशाना साधा। लेकिन सपा के नेता राम अचल राजभर और सुरेंद्र पटेल ये बताना नहीं भूले कि राजभर समाज का हित समाजवादी पार्टी में ही है। सुरेंद्र पटेल ने कहा कि राजभरों का नेता अनिल या ओमप्रकाश नहीं बल्कि रामअचल राजभर हैं।

सुभासपा के पास भी वोट बैंक साधने का मौका

सुभासपा नेता अरविंद राजभर भी अब छितौना गांव पहुंच रहे हैं। छितौना पहुंचने से पहले वो डीजीपी से मिले और इस मामले में कार्रवाई की मांग की। इस मुलाकात के बाद एसआईटी जांच के आदेश हुए और थानाध्यक्ष लाइन हाजिर। जब अरविंद राजभर छितौना पहुंचेंगे तो निश्चित इसको सुभासपा की जीत के रूप में प्रचारित करेंगे।

छितौना घटना की अब एसआईटी जांच

मामला बढ़ने पर चौबेपुर थाना क्षेत्र के छितौना गांव के घटना की निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने थाने में दर्ज केस 440/2025 और 445/2025 की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर जांच शुरू कर दी है। SIT की अध्यक्षता अपर पुलिस आयुक्त, कानून व्यवस्था कर रहे हैं। जबकि उनकी टीम में पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन, पुलिस उपायुक्त (क्राइम), अपर पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) और सहायक पुलिस आयुक्त कैंट जांच सदस्य रहेंगे। मामले की विवेचना नए थाना प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार वर्मा को सौंपी गई है। छितौना कांड में स्थानीय थाने की संदिग्ध भूमिका को देखते हुए चौबेपुर के थानाध्यक्ष रविकांत मलिक को लाइन हाजिर कर दिया गया है। थाना स्तर से कोई कार्रवाई नहीं होने और मामले में लापरवाही बरतने को लेकर उन पर यह कार्रवाई हुई है।

जमीन के एक छोटे से टुकड़े पर बांस का झुरमुट विवाद की जड़ में था। लेकिन नेताओं ने अपने-अपने फायदे के लिए इसे सियासी बना दिया है। अब जातीय गोलबंदी को लेकर छितौना एक नए मॉडल के रूप में उभरा है। देखना होगा कि यह मामला कहां तक जाता है।

सीएम योगी बोले: यूपी ही नहीं देश-दुनिया में स्किल्ड युवा की मांग, इसके अनुरूप इनको तराशे, बनेंगे रोजगार के मौ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यूपी ही नहीं देश-दुनिया में स्किल्ड मैनपॉवर की जरूरत है। हमें युवाओं को इसकी मांग के अनुरूप तराशना होगा। युवा जिस क्षेत्र में खुद को आगे बढ़ाना चाहते हैं, उसकी पूरी जानकारी लें। तकनीकी क्षेत्र की जानकारी लें। बाजार की मांग के अनुरूप स्किल्ड हो। सीएम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विश्व युवा कौशल दिवस पर कौशल मेले व प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री, बाजार की मांग के अनुरूप को देखते हुए एनईपी 2020 के तहत हर छात्र को पढ़ाई के साथ कौशल विकास का कोर्स करना अनिवार्य किया गया है। माध्यमिक में भी युवाओं को ट्रेंड कर रहे हैं। युवा अब डुएल डिग्री भी ले सकते हैं। बशर्ते हमें टाइम मैनेजमेंट

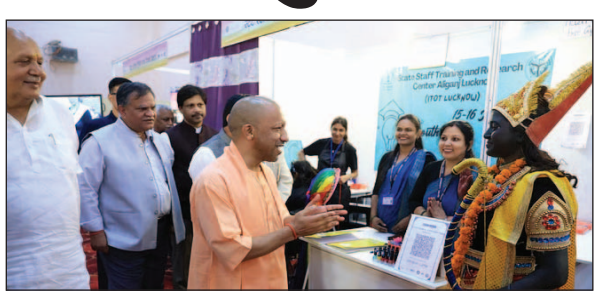

करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहले हमें अपने युवाओं को प्रदेश, देश में ही रोजगार के लिए तैयार करना है। किंतु इसके बाद भी अगर वह बाहर जाना चाहते हैं तो आईटीआई, कौशल विकास केंद्र में उन्हें विदेशी भाषाओं की ट्रेनिंग दी जाए। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण पर जोर दिया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य है जहां 25 करोड़ की आबादी में 56 से 60 प्रतिशत लोग कामकाजी वर्ग से हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को 2029 तक दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य युवाओं के सहयोग से ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि युवा हताश-निराश न हो, जूझते रहें। सही ट्रेनिंग लेकर वह अच्छा प्लेसमेंट पाएंगे। उन्होंने न्यू एज कोर्स ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 3डी प्रिंटिंग की चर्चा की। साथ ही परंपरागत ट्रेड जैसे प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन और एसी मैकेनिक की मांग को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री मन्नू कोरी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम आदि उपस्थित थे।

पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया

सीएम योगी ने बताया कि सरकार दो करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करवा रही है, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभांवित हो चुके हैं। प्रदेश में 400 के करीब राजकीय और 3000 निजी आईटीआई चल रहे हैं।हमारा लक्ष्य है कि हर युवा को उसकी रुचि और योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर मिलें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में रोजगार व कौशल विकास के कई अवसर हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और मुख्यमंत्री विश्वकर्मा श्रम सम्मान जैसी योजनाओं के माध्यम से परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया गया है। इसी तरह उन्होंने कृषि क्षेत्र की भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि सीएम युवा योजना में अब तक 50 हजार युवाओं को पांच लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया गया है।

एमएनएनआईटी के साथ एमओयू, स्किल रथ किया रवाना

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में कौशल विकास मिशन ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के साथ नॉलेज पार्टनर के रूप में एमओयू किया। सीएम ने उद्योग प्रतिनिधियों को 'इंडस्ट्री एम्बेसडर' सम्मान से भी सम्मानित किया। साथ ही प्रदेश में युवाओं के बीच आईटीआई व कौशल विकास मिशन से जुड़ी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए पांच स्किल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लखनऊ के निर्मल कुमार व पूजा पाल, बरेली के मुजीब खान, लखनऊ की पूजा विश्वकर्मा, करन निषाद अयोध्या, भूपेंद्र कुमार हरदोई, विकी कुमार नोएडा, शुभम राजपूत लखनऊ, अभिषेक वर्मा संभल, रुचि अंबेडकरनगर, मनीषा सोनकर प्रयागराज, संतोष पाल इटावा, कंचन बरेली, निशा जायसवाल गोरखपुर, अरुण कुमार गौतम लखनऊ।

अंतरिक्ष से सकुशल लौटे शुभांशु शुक्ला, मायावती ने दी बधाई : कहा– यह सफलता देश और युवाओं के लिए प्रेरणादायक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से सकुशल धरती पर वापसी को देश के लिए एक गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विशेष रूप से देश के युवाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी।सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में मायावती ने मूलतः लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला को उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई दी। साथ ही उन्होंने उनके परिवारजनों, देश के सभी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और संबंधित अनुसंधान संस्थानों को भी शुभकामनाएं दीं।मायावती ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ते कदमों का प्रतीक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रकार के अनुभवों से न केवल देश को तकनीकी और शोध के स्तर पर लाभ होगा, बल्कि इससे आम जनता, विशेष रूप से युवाओं में विज्ञान के प्रति रुचि और आत्मनिर्भर भारत की भावना भी मजबूत होगी।उन्होंने कहा कि ऐसे साहसिक और ऐतिहासिक प्रयास नई पीढ़ी के लिए दिशा-संकेतक की भूमिका निभा सकते हैं और यह उपलब्धि आने वाले समय में देश की वैज्ञानिक प्रगति की गति को और तेज करेगी।

गुडम्बा पुलिस ने अवैध गांजा के साथ दो शातिर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन के थाना गुडम्बा पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 986 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।यह गिरफ्तारी थाना गुडम्बा क्षेत्र में सुरागरसी एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। पुलिस उपनिरीक्षक त्रिविक्रम सिंह के नेतृत्व में मय हमराह पुलिस बल ने इंट्रीग्रल यूनिवर्सिटी के कृषि संकाय के पास खड़जां मार्ग के किनारे बने अर्ध निर्मित मकान के पार्किंग एरिया के पीछे दो अभियुक्तों—रवि जायसवाल एवं शुभम लोधी—को पकड़ा। दोनों आरोपी आर्थिक लाभ के उद्देश्य से कम कीमत पर अवैध गांजा खरीदकर महंगे दामों में बेचने की योजना बना रहे थे।गिरफ्तार आरोपियों में रवि जायसवाल, जो मूलतः ग्राम बेहटा थाना गुडम्बा का निवासी है और वर्तमान में म0न0 5 हर्सन हास्पिटल के पास लाह रोड बसहा कुर्सी रोड में रहता है, तथा शुभम लोधी, जो अलीगंज जनपद के डंडहिया बाजार के पास पाण्डेय टोला शालीमार का निवासी है, शामिल हैं। शुभम वर्तमान में जानकीपुरम के आनंद विहार कालोनी मौर्या भट्टा में रहता है।पुलिस ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के खिलाफ पहले भी नशीले पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है और अन्य आपराधिक इतिहास की जांच जारी है। बरामद अवैध गांजा की मात्रा करीब तीन किलो है।

लखनऊ में नाबालिक किशोरी के साथ छेड़छाड़ के आरोपी की पुलिस ने की गिरफ्तारी

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना कृष्णानगर पुलिस टीम ने नाबालिक किशोरी के साथ छेड़छाड़ के मामले में आरोपी शिवम यादव को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।जानकारी के अनुसार, 11 जुलाई 2025 को किशोरी की शिकायत पर थाना कृष्णानगर में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप था कि आरोपी ने किशोरी के साथ अनुचित व्यवहार किया और उसे धमकी दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की जांच-पड़ताल की और 15 जुलाई 2025 को उसे हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।अभियुक्त शिवम यादव, जो कि ओशोनगर कनौसी का निवासी है और विद्यार्थी है, के खिलाफ मामले की जांच जारी है।

सरकारी स्कूलों की मर्जिंग के खिलाफ आगरा में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों के मर्जिंग और बंदी के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को आगरा में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के राज्यसभा सांसद और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने प्राथमिक विद्यालय मढ़ैया खटीक पहुंचकर अभिभावकों और विद्यार्थियों से मुलाकात की और मर्जिंग के विरोध में पैदल मार्च किया।संजय सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार लगातार सरकारी स्कूलों को बंद कर गरीब, दलित और वंचित तबकों के बच्चों को शिक्षा से दूर करने की साजिश कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम आदमी पार्टी इस अन्याय के खिलाफ सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बच्चों के स्कूल किसी कीमत पर बंद नहीं होने दिए जाएंगे।उन्होंने मढ़ैया खटीक से 2

किलोमीटर दूर निधौता स्थित कंपोजिट विद्यालय तक पैदल मार्च कर अभिभावकों की पीड़ा को साझा किया। संजय सिंह ने सवाल उठाया कि सरकार कैसे उम्मीद कर सकती है कि छोटे बच्चे प्रतिदिन 2 किलोमीटर लंबा, वह भी एक्सप्रेसवे जैसे खतरनाक रास्ते से होकर स्कूल जाएं? उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी बच्चे के साथ दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री, मंत्रीगण और अधिकारी लेंगे क्या?संजय सिंह ने आरोप लगाया कि 2024 में सरकार ने जहां 27,308 शराब के ठेके खोल दिए, वहीं लगभग 26,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। 2025 में 27,000 और स्कूलों को बंद करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, ₹उत्तर प्रदेश को पाठशाला चाहिए, मधुशाला नहीं। यह निर्णय गरीबों से उनका भविष्य छीनने की साजिश है।₹ उन्होंने यह भी बताया कि बीते 10 वर्षों में पूरे देश में करीब 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए, जिनमें से लगभग 25 हजार केवल उत्तर प्रदेश में हैं।कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश सहप्रभारी चौधरी सुरेंद्र कुमार ने कहा कि यह केवल स्कूलों को बंद करने की बात नहीं है, बल्कि बाबा साहब अंबेडकर के उस सपने को तोड़ने की कोशिश है जिसमें उन्होंने शिक्षा को शेरनी का दूध कहा था।

ब्रज प्रांत अध्यक्ष डॉ. ह्रदेश चौधरी ने दो टूक कहा कि आम आदमी पार्टी स्कूलों को बंद करने के किसी भी निर्णय का सख्त विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ₹स्कूल बचाओ अभियान₹ के तहत गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी।इस अवसर पर अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल, जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ चतुर्वेदी, महानगर अध्यक्ष दिलीप बंसल, जिला प्रभारी नूर सिद्दीकी सहित दर्जनों वरिष्ठ कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।

सावन की अमावस्या पर होगा 17वां सपादलक्ष रूद्राभिषेक

लखनऊ। शिव सेवा परिवार द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण मास की अमावस्या पर भव्य सपादलक्ष रूद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। आयोजक अमरनाथ मिश्र ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि यह आयोजन दिनांक 24 जुलाई 2025, गुरुवार को प्रातः 10 बजे से ऐशबाग रामलीला ग्राउंड, लखनऊ में आरंभ होगा। इस वर्ष यह आयोजन 17वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।मिश्र ने बताया कि भगवान शिव की कृपा से इस बार भी 27 चौकियों पर शिव परिवार के साथ कुल 5500 रूद्र विराजमान किए जाएंगे, जिनका विधिवत पूजन किया जाएगा। अभिषेक के लिए ऋषिकेश से विशेष रूप से मंगवाया गया 540 लीटर गंगाजल उपयोग में लाया जाएगा। आयोजन की तैयारियां एक माह पूर्व से ही चल रही हैं, जिनमें मिट्टी से शिव परिवार की स्थापना, गंगाजल, दूध, पूजा सामग्री आदि की व्यवस्था की जा रही है।

लखनऊ में रहीमाबाद पुलिस की बड़ी सफलता:

अपहरण के वांछित शातिर अभियुक्त को अवैध तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन के थाना रहीमाबाद पुलिस टीम ने अपहरण के एक शातिर वांछित अभियुक्त वीरपाल यादव को बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पाससे एक बड़ा अवैध तमंचा और दो जिन्दा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर माननीय न्यायालय में पेश किया है।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के तहत हुई। पुलिस उपायुक्त उत्तरी लखनऊ और अपर पुलिस उपायुक्त के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त मलिहाबाद के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रहीमाबाद के नेतृत्व वाली पुलिस टीम ने मुखबिर खास से मिली सूचना के आधार पर यह गिरफ्तारी की।वीरपाल यादव, जो ग्राम रामपुर मजरा मसीढ़ारतन थाना माल जनपद लखनऊ का निवासी है, को ब्रह्मस्थान बाबा मंदिर के पास बहद ग्राम कल्यानपुर मजरा गहदो से पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और दो जिन्दा कारतूस बरामद हुए। आरोपी से तमंचा रखने का वैध लाइसेंस नहीं मिलने पर उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने बताया कि वीरपाल यादव के खिलाफ पहले भी हत्या, अपहरण और आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के आदेशों का पूरी तरह पालन किया। गिरफ्तारी की सूचना आरोपी के परिवार वालों को भी दी गई।थाना रहीमाबाद की पुलिस टीम के उपनिरीक्षक उमेश यादव, संदीप कुमार, आरक्षी सिमित कुमार, देशराज और धर्मेश यादव ने इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई। इस सफलता से प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी।यह गिरफ्तारी लखनऊ पुलिस की सक्रियता, सतर्कता और अपराध नियंत्रण के प्रति समर्पण का प्रमाण है। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित थाने को दें ताकि अपराधों की रोकथाम की जा सके और प्रदेश को सुरक्षित बनाया जा सके।

पीजीआई पुलिस ने तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की सात मोटरसाइकिलें बरामद कीं

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं के बीच पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनकी चोरी की सात मोटरसाइकिलें बरामद कर ली हैं। आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों के आधार पर की गई इस गिरफ्तारी से चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने में मदद मिली है।पीजीआई पुलिस टीम ने बरौली फ्लाईओवर के नीचे, उतरेठिया रेलवे स्टेशन के पास से इन तीनों आरोपियों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों में प्रिंस यादव, शैलेंद्र यादव और सूरज शामिल हैं, जो मूल रूप से अलग-अलग जिलों से ताल्लुक रखते हैं और लखनऊ में सक्रिय थे। पुलिस के मुताबिक ये आरोपी सुरक्षा गार्ड और सेटरिंग के काम से जुड़े हैं तथा पैसे की लालच और शौक पूरा करने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

बीबीएयू में स्वामी विवेकानंद योजना के तहत अंतिम वर्ष के छात्रों को स्मार्टफोन/टैबलेट वितरित, कुलपति ने दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में 15 जुलाई को अंतिम वर्ष (पास आउट) के विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित किए गए। यह वितरण समारोह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।समारोह में मुख्य रूप से डीन ऑफ एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार और प्रॉक्टर प्रो. एम.पी. सिंह भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. मित्तल ने विद्यार्थियों को स्वयं अपने हाथों से स्मार्टफोन/टैबलेट वितरित किए और उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनने की प्रेरणा दी।कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के

लिए केवल अकादमिक सफलता ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डिजिटल उपकरणों का सही उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ दक्षता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को भी मजबूती देता है। सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने से छात्र भविष्य के लिए अधिक सक्षम बन सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि आज के दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल शिक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जुड़ाव का सशक्त जरिया बन चुका है। विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर भी कदम बढ़ाने चाहिए ताकि वे स्वयं के साथ समाज को भी सशक्त बना सकें। एक विद्यार्थी की प्रगति सीधे तौर पर संस्थान की प्रगति से जुड़ी होती है, इसलिए सामाजिक, डिजिटल और आर्थिक क्षेत्रों में भी छात्रों की भूमिका अहम है।स्मार्टफोन/टैबलेट पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से चमक उठे और उन्होंने इस पहल को अपने भविष्य के लिए उपयोगी बताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार जताया।कार्यक्रम के प्रथम चरण में उन छात्रों को स्मार्टफोन/टैबलेट दिए गए जिनका डाटा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वेरिफाई किया गया था। डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार ने बताया कि योजना के दूसरे चरण में 223 और विद्यार्थियों को स्मार्टफोन/टैबलेट दिए जाएंगे, जिसकी सूचना जल्द ही जारी की जाएगी।इस अवसर पर प्रो. शरद सोनकर, प्रो. मनीष कुमार वर्मा, डॉ. तरुणा, डॉ. शिव शंकर यादव समेत कई शिक्षक और छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल एक तकनीकी संसाधन वितरण का कार्यक्रम था, बल्कि युवाओं को डिजिटल युग में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाने वाला एक प्रेरणादायक प्रयास भी रहा।

लखनऊ नगर निगम ने बरसात में नागरिकों की सुरक्षा के लिए तेज किया मैनहोल और नालों को ढकने का अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बरसात के मौसम में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लखनऊ नगर निगम और जलकल विभाग ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत खुले मैनहोल, नाले और टूटी सीवर लाइनों को युद्धस्तर पर चिन्हित कर तत्काल ढका जा रहा है। नगर आयुक्त गौरव कुमार के स्पष्ट निर्देशों के तहत सभी जोनों के अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे स्थानों को प्राथमिकता पर चिन्हित कर तत्काल कार्यवाही करें।नगर निगम और जलकल विभाग की संयुक्त टीमें क्षेत्रीय निरीक्षण कर रही हैं और जहां कहीं भी खुला मैनहोल, टूटी ढक्कन या खुला नाला देखा जा रहा है, वहां त्वरित मरम्मत और ढक्कन लगवाने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान का उद्देश्य यह है कि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित आवागमन मिल सके और किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे।नगर निगम के मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में 90 से अधिक स्थानों पर खुले नालों और मैनहोल को कवर किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां से भी समस्या की सूचना मिल रही है, वहां संबंधित टीमें तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर रही हैं।इसी क्रम में जलकल विभाग भी बराबर सक्रिय है। जलकल के महानिदेशक कुलदीप सिंह के अनुसार, विभाग द्वारा अब तक 30 से अधिक जगहों पर सीवर के टूटे या गायब ढक्कनों को बदला जा चुका है। विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और कहीं भी जोखिम की स्थिति बनने से पहले सुधार कार्य किया जा रहा है।सभी अपर नगर आयुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय अभियंताओं और कर्मचारियों को सख्त आदेश दें कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लखनऊ में बंद पड़े मकानों को बना रहे थे निशाना, अंतरराज्यीय चोर गैंग पकड़ा गया ; चोरी की एक्सेंट कार, गहने, लैपटॉप समेत शत-प्रतिशत माल बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में सक्रिय अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए लखनऊ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम और थाना पीजीआई पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है, जो बंद पड़े मकानों की रेकी कर योजनाबद्ध ढंग से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई एक्सेंट कार, कीमती आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान और घटना में प्रयुक्त स्कार्पियो वाहन समेत चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है।इस गिरोह ने हाल ही में पीजीआई क्षेत्र के एल्डीको 2 स्थित एक बंद मकान को निशाना बनाया था, जो एक डॉक्टर का आवास था। घर में किसी के न होने की जानकारी मिलने के बाद चोरों ने रात के समय ताले तोड़कर अंदर घुसकर कार, गहने, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल, एलईडी टीवी और

डेस्कटॉप तक चुरा लिए।घटना की सूचना मिलने के बाद वादी डॉ. प्रियवृत शुक्ला द्वारा थाना पीजीआई में 12 जुलाई को एफआईआर दर्ज कराई गई। गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी की निगरानी में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया, जिसमें सर्विलांस सेल को भी लगाया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, टैक्निकल इनपुट और मैनुअल जांच के जरिए आरोपी सोनू सिंह, अनुराग कुमार सिंह और शक्तिमान सिंह को 15 जुलाई को किसान पथ स्थित डलौना रेलवे अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मूल रूप से बिहार के कैमूर जिले के पजरांव गांव के रहने वाले हैं और लखनऊ में सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के नादरगंज इलाके में रह रहे थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे पहले मकानों की रेकी करते हैं और जब यह स्पष्ट हो जाता है कि घर लंबे समय से बंद है, तब रात में वहां चोरी करते हैं।

सोनू सिंह और शक्तिमान सिंह का आपराधिक इतिहास भी लंबा है। सोनू सिंह के खिलाफ लखनऊ के अलग-अलग थानों में आठ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें एनडीपीएस एक्ट और चोरी के गंभीर मामले शामिल हैं। शक्तिमान सिंह के खिलाफ भी पहले से मामले दर्ज हैं, जबकि अनुराग सिंह हाल ही में इस गिरोह से जुड़ा है।पुलिस टीम ने बरामदगी में कुल दो कारें – एक चोरी की गई एक्सेंट और एक स्कार्पियो (घटना में प्रयुक्त) — के अलावा दो लैपटॉप, दो टैबलेट, दो मोबाइल फोन, एक एलईडी टीवी, एक डेस्कटॉप, आधार कार्ड, बैटरी, लैपटॉप चार्जर और भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण भी जब्त किए हैं।

इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम को पुलिस उपायुक्त दक्षिणी द्वारा ₹25,000 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है।यह कार्रवाई न केवल पीजीआई क्षेत्र में हुए एक बड़े अपराध का खुलासा है, बल्कि यह राजधानी में चोरी की वारदातों पर नकेल कसने की दिशा में एक निर्णायक कदम भी माना जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे घर छोड़ने से पहले पड़ोसियों को सूचित करें और सुरक्षा उपाय अपनाएं, ताकि ऐसे गिरोहों से सतर्क रहा जा सके।

धर्मांतरण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद किया विरोध प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में अंसल पार्क में मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद ने धर्मांतरण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। धर्मांतरण को पोषित किए जाने की घटनाओं के दृष्टिगत विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग भी प्रदर्शन में शामिल हुई। विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम विभाग मंत्री योगेश संयोजक बजरंग दल विजय बजरंगी के नेतृत्व मे सम्पन्न हुआ।

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नोलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एनक्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूज़र्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूज़र्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के ज़रिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है।

देश और समाज के लिए तन, मन, धन समर्पित करने की मिसाल हैं सी. सदानंदन मास्टर

हम आपको बता दें कि केरल के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में जिन व्यक्तित्वों ने जनता के बीच संगठन, चेतना और संघर्ष की लौ जगाई, उनमें सी. सदानंदन मास्टर का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है

नीरज कुमार दुबे

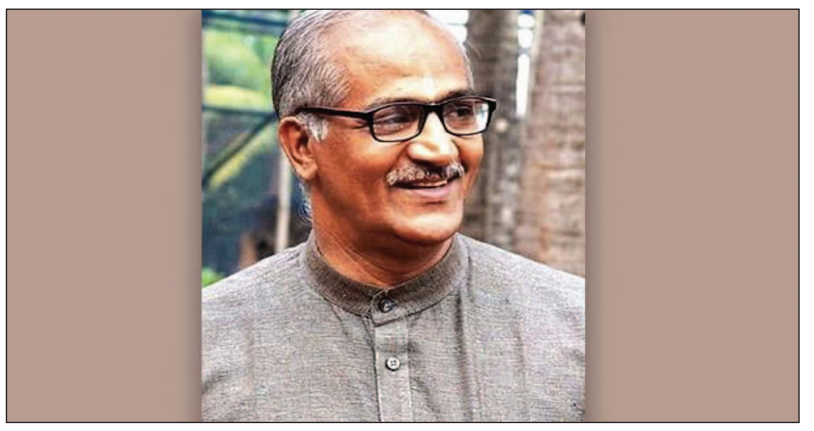

पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मामले में विशेष लोक अभियोजक रहे उज्ज्वल निकम, केरल से भारतीय जनता पार्टी के नेता सी सदानंदन मास्टर और इतिहासकार मीनाक्षी जैन को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। इन चार नामों में से आपके लिए सी. सदानंदन मास्टर का नाम भले जाना-पहचाना नहीं हो लेकिन उनके सामाजिक कार्य उनकी पहचान हैं। साथ ही उनका जीवन अन्याय के आगे नहीं झुकने की भावना का प्रतीक भी है। वामपंथी हिंसा और धमकी के आगे नहीं झुक कर राष्ट्र के विकास के प्रति अपने जज्बे को बरकरार रखने वाले सी. सदानंदन मास्टर पूरे देश के लिए बड़ी प्रेरणा हैं।

हम आपको बता दें कि केरल के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में जिन व्यक्तित्वों ने जनता के बीच संगठन, चेतना और संघर्ष की लौ जगाई, उनमें सी. सदानंदन मास्टर का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल एक शिक्षक नहीं हैं, बल्कि जीवनपर्यंत एक ऐसे संगठक, विचारक और मार्गदर्शक रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और उससे जुड़े संगठनों के माध्यम से केरल में राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूती दी। उनका जीवन संघर्ष, तपस्या और आदर्शों के लिए समर्पित था, और आज भी वे केरल के राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

सी. सदानंदन मास्टर का जन्म केरल के कन्नूर जिले के एक साधारण परिवार में हुआ। बाल्यकाल से ही वे अत्यंत संयमी, मेहनती और अनुशासनप्रिय थे। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि प्रारंभ से ही गहरी थी। उन्होंने शिक्षक के रूप में अपने कॅरियर की शुरुआत की और बहुत जल्द गांव-समाज में एक आदर्श गुरु के रूप में प्रसिद्ध हो गए। सदानंदन मास्टर का जीवन तब मोड़ लेता है, जब वे युवावस्था में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के संपर्क में आते हैं। संघ के 'एकात्म मानववाद', सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारतीयता के विचार ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। शिक्षक के दायित्व के साथ-साथ वे धीरे-धीरे संगठनात्मक कार्यों में भी सक्रिय हो गए। उनका घर और स्कूल ही संघ की गतिविधियों का केंद्र बन गया था। वे विद्यालयों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों की शिक्षा को प्राथमिकता देते थे।

हम आपको बता दें कि केरल के कन्नूर और आसपास के क्षेत्र वामपंथी राजनीतिक हिंसा के लिए कुख्यात रहे हैं। 1994 में सी. सदानंदन मास्टर पर एक क्रूर और अमानवीय हमला हुआ। मार्क्सवादी विचारधारा से जुड़े हिंसक कार्यकर्ताओं ने उनके दोनों पैर काट डाले थे। यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विचारधारा, शिक्षा और संगठन के प्रति समर्पण पर हमला था। लेकिन सदानंदन मास्टर ने इस हिंसा के आगे कभी घुटने नहीं टेके। उन्होंने उस घटना को अपने जीवन का अंत नहीं, बल्कि नई शुरुआत माना। उन्होंने स्वयं कहा था कि मेरे पैर काट दिए, लेकिन मेरे विचार और हौसले कोई नहीं काट सकता।

हम आपको बता दें कि इस घटना के बाद वे पूरे केरल और देशभर में 'साहस और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक' के रूप में पहचाने जाने लगे। वे पूरी ताकत के साथ संगठन के कार्यों में जुट गए थे। उन्होंने शारीरिक अपंगता को कभी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने हजारों युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पण, सेवा और संगठन के मार्ग पर चलाया। वामपंथी हिंसा से त्रस्त केरल के लोगों में उनके प्रति विशेष सम्मान और श्रद्धा पैदा हुई। वे अनेक युवाओं के लिए जीते-जागते आदर्श बन गए कि किस तरह विचार और ध्येय के लिए तन, मन, जीवन सब कुछ समर्पित किया जाता है।

हम आपको बता दें कि सदानंदन मास्टर ने संघ और उससे जुड़े संगठनों में संगठनकर्ता, प्रेरक वक्ता और मार्गदर्शक के रूप में वर्षों तक कार्य किया। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP), सेवा भारती, विद्या भारती और भाजपा में सक्रिय रहे हैं। वे सदैव युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं कि शिक्षा केवल नौकरी पाने के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए होनी चाहिए। उनकी वाणी में इतना प्रेरक तेज और सच्चाई होती है कि श्रोता स्वतः उनके विचारों से जुड़ जाते हैं।

सदानंदन मास्टर सादगी, संयम और अनुशासन के प्रतीक हैं। उन्होंने कभी पद, प्रतिष्ठा या प्रचार नहीं चाहा। वे हमेशा संघ और समाज के अंतिम पंक्ति के कार्यकर्ता की तरह कार्यरत रहते हैं। उनका जीवन यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व नारे या भाषणों से नहीं, बल्कि अपने आचरण और संघर्ष से पैदा होता है। आज केरल में जो हजारों, लाखों युवा राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ खड़े हैं, समाज सेवा और संगठन में लगे हैं, उसके पीछे सदानंदन मास्टर जैसे व्यक्तित्वों की दशकों की तपस्या और प्रेरणा है। वे एक जीवित उदाहरण बनकर यह साबित कर पाने में सफल रहे हैं कि हिंसा से विचार नहीं मारे जा सकते।

बहरहाल, सी. सदानंदन मास्टर का जीवन केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि विचार, साहस और सेवा के आदर्शों की जीवंत गाथा है। उनके दोनों पैर काटे गए, लेकिन उनके विचार केरल में हजारों लोगों के जरिए समाज निर्माण में लगे हैं। अब तो वह राज्यसभा के सदस्य मनोनीत हो गये हैं और निश्चित ही देश को उनके विचारों और अनुभवों का लाभ मिलेगा। सी. सदानंदन मास्टर का जीवन यह भी संदेश देता है कि ₹शरीर को तोड़ना आसान है, लेकिन विचार और आत्मबल को कोई नहीं झुका सकता।₹ सी. सदानंदन मास्टर केरल ही नहीं, पूरे भारत में साहस, राष्ट्रभक्ति और संगठन के प्रतीक के रूप में देखे जाते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि सी. सदानंदन मास्टर केरल के कन्नूर ज़िले में 2016 और 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार के रूप में चुनाव भी लड़ चुके थे।

अजब-गजब

5 साल के बच्चे ने Amazon पर कर डाली 3 लाख की शॉपिंग, मम्मी-पापा के पैरों तले खिसकी जमीन!

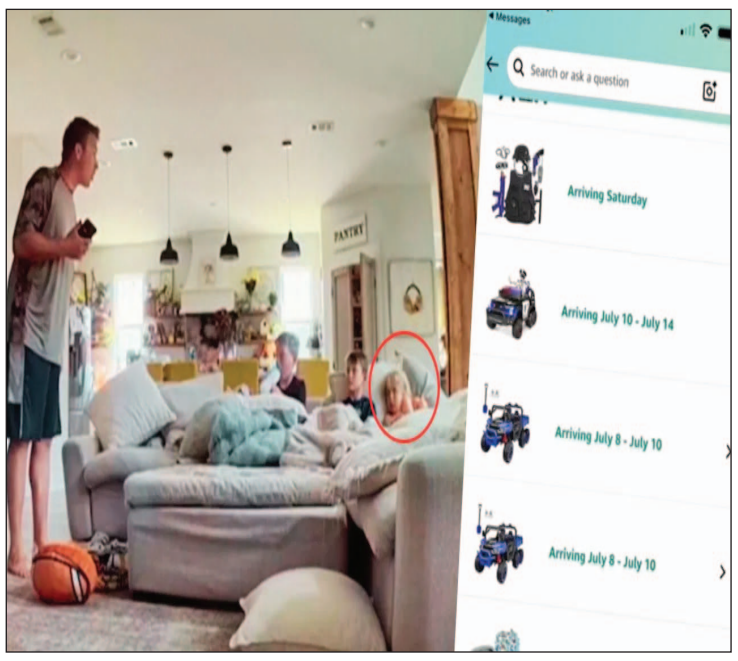

एक 5 साल के बच्चे ने जो किया, वो हर उस माता-पिता के लिए एक सबक है जो अपने बच्चों से छुटकारा पाने के लिए उन्हें मोबाइल थमा देते हैं. अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो सावधान हो जाइए. क्योंकि, इस बच्चे ने रातों-रात Amazon पर 3,000 डॉलर (यानी 2.58 लाख रुपये) से अधिक की खरीदारी कर डाली, जबकि माता-पिता सो रहे थे! कर्स्टन लोचास मैककॉल नाम के शख्स ने अपने बेटे के कारनामों का वीडियो बनाकर टिकटॉक पर शेयर किया, जिसे अब तक 42 लाख बार देखा जा चुका है.

वायरल हो रहे वीडियो की शुरुआत में तीन बच्चे सोफे पर बैठे हुए नजर आते हैं. इसी दौरान पिता अपने शांत बैठे पांच वर्षीय बेटे से धड़धड़ ऑर्डर किए गए सामानों के बारे में पूछना शुरू कर देता है. शख्स बेटे से पूछता है, तुमने Amazon से सात कारें खरीदीं. फिर कहता है, पता है तुमने 3,000 डॉलर से ज्यादा खर्च कर दिए. परेशान पिता फिर अपने बेटे से पूछता है, ये तुमने कैसे किया? इसके बाद कहता है, तुम्हें नहीं पता कि तुम कितनी मुसीबत में हो.

इसके बाद वीडियो में अमेजन से की गई खरीदारी के स्क्रीनशॉट भी दिखाए गए हैं, जिसके कैप्शन में लिखा है- मस्त लाइफ जी रहा हूं. खुशी-खुशी फोन स्क्रॉल कर रहा हूं, और अमजेन चेकआउट कर रहा हूं, जबकि घर के बाकी लोग सो रहे हैं.

आपको जानकर हैरानी होगी कि जब यह छोटा 'शॉपिंग प्रेमी' पकड़ा गया, तब कार्ट में चेकआउट के लिए 700 डॉलर (यानी 60,191.96 रुपये) के और सामान तैयार थे. इतने महंगे ऑर्डर को देखकर बच्चे के माता-पिता पूरी तरह से हैरान रह गए.

यह वीडियो TikTok पर देखते ही देखते आग की तरह फैल गया और नेटिजन्स की प्रतिक्रियाओं की बाढ़-सी आ गई. लोग बच्चे की इस खरीदारी से बेहद प्रभावित हुए और खूब हंसे. एक यूजर ने मजाकिया लहजे में कमेंट किया, मुझे तो ईर्ष्या हो रही है कि तुम्हारे अकाउंट में इतने सारे पैसे थे. मेरा कार्ड तो रिजेक्ट हो गया होता. दूसरे यूजर ने कहा, यह उन माता-पिता के लिए सबक है, जो बच्चों से छुटकारा पाने के लिए उन्हें फोन थमा देते हैं. एक अन्य यूजर ने कहा, और दो बच्चों को मोबाइल.

ब्लॉग

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

ललित गर्ग

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि 'जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मज़ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है।

भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की ज़रूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनावों पर टिकी होती है। इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत बनाने की दिशा में बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची सुधार अभियान हाल ही में राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना। लेकिन जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान खींचा, वह यह है कि इस पूरी कवायद के दौरान विपक्ष एक बार फिर एकजुट होकर इसका विरोध करता नजर आया, भले ही मामला राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा हो। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्टों को दुरुस्त करने, फर्जी वोटरों की छंटनी, और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने का जो कार्य प्रारंभ किया, वह एक सामान्य प्रशासनिक कार्य नहीं था, बल्कि एक लोकतांत्रिक शुद्धिकरण था। यह सुधार न केवल चुनावों को पारदर्शी बनाता है, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। परन्तु कुछ राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और इसे जातीय आंकड़ों, राजनीतिक संतुलन और चुनावी गणित से जोड़कर कोर्ट का रुख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दर्शाता है कि अब समय आ गया है जब चुनावी ईमानदारी को राजनीतिक शोरगुल और वोट बैंक की राजनीति के शोर में दबाया नहीं जा सकता। विपक्ष की प्रतिक्रिया लगभग स्वचालित होती जा रही है, चाहे मुद्दा हो आर्थिक सुधार का, रक्षा नीति का, विदेश नीति का, या अब मतदाता सूची सुधार का। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर सुधार प्रक्रिया, चाहे वह कितनी भी लोकतांत्रिक या पारदर्शी हो, विपक्ष के लिए मात्र एक राजनैतिक खतरा है? विपक्ष का यह रवैया यह दर्शाता है कि उसे संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा कम और अपनी राजनीतिक गणनाओं पर भरोसा अधिक है।

एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे बड़ा अधिकार है वोट देना। यदि कोई सुधार प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि एक भी फर्जी वोटर सूची में न हो, कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, जाति, धर्म या राजनीति से ऊपर उठकर नागरिकता के आधार पर मतदाता सूची बने, तो फिर उसका विरोध क्यों?विपक्ष इस डर से ग्रस्त है कि यदि मतदाता सूची साफ-सुथरी हो गई, तो उनके कथित परंपरागत वोट बैंक कमजोर हो सकते हैं। उन्हें डर है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। लोकतंत्र 'जो है, उसे प्रतिबिंबित करे', न कि 'जो चाहिए, उसे निर्मित करे'।

पति की मौत, पेंटर से हुआ प्यार... लिव इन में रह रही महिला का प्रेमी ही बन गया कातिल, चाकू से गोदकर की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में लिव इन में रह रही महिला की उसके प्रेमी ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पति की मौत के बाद महिला का पड़ोस में रहने वाले पेंटर के साथ चक्कर चल गया था। अब महिला का पेंटर प्रेमी ही उसका कातिल बन गया। हत्या की लाइव फुटेज सीसीटीटी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने महिला के बेटे की तहरीर के आधार पर केस दर्ज करते हुए शव को कब्जे में लिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई।

ये घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के बलोच टोला सिपाह की है। 45 साल की शाकिमुन निशा उर्फ सीमा के पति शहाबुद्दीन की मौत हो गई थी। उनके पड़ोस में किराए के मकान में आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के बक्सपुर का रहने वाला मोहम्मद रुस्तम रहकर पेंटिंग का काम करता था। पति की मौत के बाद पेंटर से सीमा की नजदीकियां बढ़ गईं और दोनों लिव इन में रहने लगे थे।

पति-पत्नी की तरह रहते थे

घटना के संबंध में जौनपुर सिटी डीएसपी देवेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी रुस्तम जौनपुर में रहकर पेंटिंग का काम करता था। किसी बात को लेकर उसने महिला की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। शव को कब्जे में लेते हुए केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। मृतका अपने पति की मौत के बाद आरोपी के साथ पति पत्नी की तरह लिव इन में रहती थी। इसी दौरान दोनों की किसी बात को लेकर बहस हो गई थी, जिसके बाद आरोपी ने महिला की हत्या कर दी।

प्रेमी ने चाकू से गोदकर की हत्या

सोमवार की रात करीब 8 बजकर 20 मिनट पर मोहल्ले में चीख पुकार मच गई। सीमा की बेटी रेशमा चिल्लाकर मां को बचाने की गुहार लगाती रही, लेकिन प्रेमी रुस्तम ने किसी बात को लेकर गुस्से में प्रेमिका सीमा को चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी हत्या कर मौके से फरार हो गया। इस दौरान यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

महिला की बेटी चीखती रह गई

मृतक सीमा की बेटी रेशमा अपनी मां पर चाकू से वार पर वार होता देख चीखती रही। उसने बाहर आकर मां को बचाने के लिए गुहार भी लगाई। लेकिन उसे बचाने कोई नहीं पहुंचा। लहूलुहान हालत में पड़ी सीमा के बारे में रेशमा ने अपने भाई जावेद को फोन करके जानकारी दी। जावेद आनन फानन में घर पहुंचा और मामले की जानकारी पुलिस को दी। सीमा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

बेटे ने दर्ज कराया केस

घटना की सूचना पर ASP सिटी के साथ ही फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतक महिला के बेटे की तहरीर के आधार पर आरोपी रुस्तम के खिलाफ हत्या समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया और उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चेकिंग आपरेशन के अंतिम दिन प्रवर्तन दल ने किये 8 स्कूली वाहन सीज, 12 वाहन के चालान

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। परिवहन विभाग द्वारा 1 से 15 जुलाई तक स्कूली वाहनों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष संघन चेकिंग अभियान के अंतिम दिन प्रवर्तन टीम ने अनफिट और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर चालान और सीज करने की कार्यवाही की। जिसमें स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र की जांच की गई। आज मंगलवार को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन/प्रवर्तन अंकिता शुक्ला एंव यात्री/मालकर अधिकारी रवि चन्द्र त्यागी की टीम ने जांच के दौरान 8 वाहनो को सीज एंव 12 वाहनो के अन्य अभियोगो मे चालान किये। एआरटीओ ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने स्कूली वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होने जनपद के समस्त विद्यालय संचालकों, प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को सख्त चेतावनी देते हुये कहा कि वाहनों की पंजीकरण में निर्धारित सीटिंग क्षमता से अधिक छात्र-छात्राओं को नहीं बैठाये। अन्यथा चेकिंग के दौरान कोई भी वाहन मानक विहीन, अनफिट, या सीटिंग क्षमता से अधिक छात्र-छात्राओं को ले जाते मिलने पर वाहन के साथ वाहन स्वामी और विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

'प्रधान जी को हमसे प्यार नहीं'... थाने पहुंच गई पत्नी, कहा– दूसरी महिला से चल रहा अफेयर

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक ग्राम प्रधान को दूसरे महिला से इश्क करना भारी पड़ गया। पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने ग्राम प्रधान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। महिला ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि ग्राम प्रधान पति का दूसरी महिला से संबंध है, जिसके कारण आए दिन अपशब्द भाषा का प्रयोग करते हैं और मारते-पीटते हैं। पत्नी की शिकायत को पुलिस ने गंभीरता से लिया और आरोपी ग्राम प्रधान पति को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि राजगढ़ थाना क्षेत्र के बघौड़ा ग्राम प्रधान को दूसरी महिला से इश्क करना भारी पड़ गया। ग्राम प्रधान की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर ग्राम प्रधान को जेल भेज दिया। दरअसल, ग्राम प्रधान नंदलाल की पत्नी मीरा ने राजगढ़ पुलिस को 7 जुलाई को तहरीर देकर आरोप लगाया कि पति नंदलाल का गांव की दूसरी महिला से

चक्कर चल रहा है, जिसके कारण वह 6 जुलाई को शाम 4 बजे शराब के नशे में मारा-पीटा और गाली दी।

साथ ही जान से मारने की धमकी दी। ग्राम प्रधान की पत्नी के तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की तो घटना सही पाई गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज का आरोपी ग्राम प्रधान नंदलाल को 14 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गांव की महिला से चल रहा प्रधान का अफेयर

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान पिछले कुछ महीनों से बगल में रहने वाली एक महिला के संपर्क में था। इस बात की भनक जब पत्नी को लगी तो घर में पहले विवाद शुरू हो गया। इस बीच कई बार सामाजिक स्तर पर मामले को सुलझाने की भी कोशिश की गई, लेकिन कोई हल नहीं निकल सका तो आखिरकार प्रधान की पत्नी मीरा देवी ने राजगढ़ थाने में लिखित शिकायत की, जिसमें पति पर घरेलू हिंसा, विश्वासघात और सामाजिक मर्यादा भंग करने के गंभीर आरोप में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए प्रधान को गिरफ्तार कर लिया। राजगढ़ थाना प्रभारी रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर मिलते ही मामले को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी ग्राम प्रधान को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया है।

रोड क्रास करते समय क्रेटा कार चालक ने वृद्ध के मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

दियोरिया, पीलीभीत। दियोरिया बीसलपुर हाइवे पर सुजनी के समीप शाम के समय रोड क्रास करते समय तीव्र गति से जा रही एक वगैर नम्बर की सफेद क्रेटा कार ने एक वृद्ध के टक्कर मार दी जिससे वृद्ध गम्भीर रूप से घायल हो गया । चालक ने घायल वृद्ध को अपनी गाड़ी में ले जाकर बीसलपुर लाइफ लाइन में भर्ती करा कर खुद फरार हो गया था। हालत गंभीर होने पर परिजनों ने बरेली निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया जहां घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुजनी निवासी शौकत हुसैन के पिता मोहम्मद फारुख 2 जुलाई को शाम के साढ़े छः बजे प्रीतिदिन की तरह दियोरिया बीसलपुर हाइवे पर अपने गांव सुजनी से रोड क्रास करके अपनी दुकान पर जा रहे थे कि उसी समय बीसलपुर की तरफ से तीव्र गति व लापरवाही से एक वगैर नम्बर सफेद क्रेटा गाड़ी ने पीछे से वृद्ध के

गांव छोड़कर बाहर निकलो...इनकार पर काट दी दलित की उंगलियां ; रामपुर में दबंगों की हैवानियत

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर के जागीर गांव में दलित समाज के एक युवक को दबंगों ने बेरहमी से पिटाई कर दी। यही नहीं, युवक के दोनों हाथों की उंगलियां धारदार हथियार से काट दीं। पीड़ित को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहीं पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है।

जागीर गांव निवासी सुरेंद्र दिवाकर ने थाने में पुलिस को बताया कि उसके चचेरे भाई विनोद पर गांव के ही तीन लोगों—राशिद खां, राजा और मानू—ने अचानक हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले विनोद को अकेला पाकर उसे पकड़ लिया और जमीन पर गिरा दिया। पहले पीटा, फिर पाटल (एक तरह का लोहे का हथियार) और छुरी से हमला कर दिया। हमले में विनोद के दोनों हाथों

की कई उंगलियां कट गईं और वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

वारदात के बाद भागे हमलावर

हंगामा सुनकर जब परिजन और अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो हमलावर वहां से भाग निकले। घायल अवस्था में विनोद को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

सुरेंद्र दिवाकर का आरोप है कि हमलावर लगातार दलित समाज के लोगों पर गांव छोड़ने का दबाव बना रहे हैं और घटना के वक्त भी उन्होंने जातिसूचक गालियां दीं तथा जान से मारने की धमकी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल से बयान लिए और आरोपी राशिद खां, राजा और मानू के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराओं और एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

क्या बोले पुलिस अफसर?

थानाध्यक्ष निशा खटाना ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। हालांकि पुलिस के गांव पहुंचने से पहले ही आरोपी अपने घरों से फरार हो गए थे। पुलिस टीम उनकी तलाश में जुटी हुई है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है और पीड़ित परिवार ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है।

हापुड़ की घटना से लेखपालों ने धरना प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

बहेड़ी-बरेली। हापुड़ में अधिकारी के शोषण के बाद दंडात्मक कार्रवाई करने से परेशान लेखपाल की हार्ट अटैक से मौत हो जाने के बाद लेखपाल संघ ने हड़ताल शुरू कर दी है। तहसील परिसर में लेखपाल संघ के आवाहन पर लेखपालों ने हड़ताल की। तहसील परिसर के कामकाज बंद कर लेखपाल दिन भर हड़ताल पर बैठे रहे। लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष हिमांशु गौड ने कहा हापुड़ में अपमानजनक तथा दंडात्मक कार्रवाई से परेशान एक लेखपाल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। रात दिन एक करके तहसील के कामकाज को करने वाले लेखपालों के साथ इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं। जिला मंत्री संदेश सिंह ने कहा इसको लेकर आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन का रूप और बड़ा किया जाएगा। इस मामले में विस्तृत जांच होनी चाहिए। उसके बाद लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया। हड़ताल में बैठने वाले लेखपालों में राहुल राठौर, अंकित सक्सेना,योगेश कुमार, अवनीश कुमार,विशंभर नाथ,माशूक अहमद आदि मौजूद रहे।

घर में घुसा घोड़ा पछाड़ सांप का जोड़ा... पकड़ने वाले को भी दो बार डसा

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक घर में सांप का जोड़ा घुसने से हड़कंप मच गया। ये सांप घोड़ा पछाड़ प्रजाति के थे, जिसे देखकर घर वाले बुरी तरह से डर गए। उन्होंन तुंरत पुलिस को मामले की जानकारी दी और मदद के लिए कहा। इसके लिए सांप पकड़ने वाले युवक को उस घर में भेजा गया। लेकिन घर में घुसा घोड़ा पछाड़ प्रजाति के सांप के जोड़ा ने सांप पकड़ने वाले को भी डस लिया।

ये मामला गंगोह इलाके से सामने आया है, जहां एक घर में घोड़ा पछाड़ प्रजाति के सांप का जोड़ा घुसने से परिवार में अफरा तफरी मच गई। सांप के जोड़े को देखते ही परिजनों ने सीधे डायल 112 पर कॉल की, जिसके बाद डायल 112 पर तैनात कर्मचारियों ने सांप पकड़ने वाले एक युवक को बुलाया। इस दौरान सांप

पकड़ने वाले युवक को सांप ने दो बार डस भी लिया।

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची

गंगोह इलाके के मोहड़ा गांव में रहने वाले दीपक नाम के एक युवक के घर में सांप का जोड़ा घुस आया था। परिवार के लोगों ने जैसे ही सांप के जोड़े को देखा तो परिवार में हड़कंप में मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। दीपक के घर में सांप का जोड़ा होने की जानकारी मिलते ही गांव के बाकी लोग भी उसके घर पर जमा हो गए। आनन फानन में पुलिस की डायल 112 पर फोन कर सांप के जोड़े के बारे में जानकारी दी, जिसके बाद 112 पर तैनात हेड कांस्टेबल रिजवान ने सांप पकड़ने वाले गांव बिलासपुर निवासी देवराज ओर वन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया।

घंटों की मशक्कत के बाद किया रेस्क्यू

सांप का जोड़ा घर के अंदर रखे उपलों (सूखे हुए गोबर से बने एक प्रकार के ईंधन) में छिप गया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद सांप पड़कने वाले युवक देवराज ने दोनों सांपों को पकड़ा और एक प्लास्टिक के कट्टे में कैद कर मौके पर मौजूद वन विभाग की टीम को सौंप दिया। सांप के रेस्क्यू के दौरान सांप पकड़ने वाले युवक देवराज को सांप ने दो बार काट भी लिया। हालांकि देवराज को सांप के काटने से किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हुई। वन विभाग की टीम ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों सांप घोड़ा पछाड़ प्रजाति के थे, जिनको सुरक्षित स्थानों पर छोड़ दिया गया है। इस प्रजाति के सांप बहुत तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। इसलिए इस प्रजाति के सांपों को घोड़ा पछाड़ प्रजाति के सांप कहा जाता है।

21 जुलाई को निकलेगी चतुर्थ भव्य बाइक जलाभिषेक कावड़ यात्रा, तैयारियां जोरो पर

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर,पीलीभीत। पवित्र श्रावण मास के आरंभ होते ही शिव भक्तों में उत्साह का माहौल दिखाई देने लगा है। इसी क्रम में आगामी 21 जुलाई को क्षेत्र में भव्य बाइक जलाभिषेक कावड़ यात्रा निकाली जाएगी, जिसकी तैयारियाँ जोरों पर चल रही हैं। यह यात्रा मां गोमती उदगम स्थल से चलकर बाबा इक्कोत्तर मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करेगी। जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे।इस यात्रा के प्रचार-प्रसार के लिए मंगलवार को ग्राम बिलहरी, हुसैनपुर, बंजरिया, दूधिया, धर्मपुर, मुजफ्फरनगर, गजरौला खास, जटपुरा, मोहनपुर, टांडा, छत्रपति समेत अन्य गाँवों में पहुँचकर ग्रामवासियों और बजरंगी भाइयों को यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया। यात्रा में श्री बालाजी धाम, खुटार से श्री श्री 1008 नंदन महाराज, मां काली शक्तिपीठ तकिया दिनारपुर से सूरज गिरी महाराज, राघव दास, महाराज, सतवैया वाले बाबा, मोहनपुर वाले बाबा सहित कई संत-जन और ब्राह्मण समाज के पूज्य संत भी पधारेंगे और भक्तों का मार्गदर्शन करेंगे।ग्राम हुसैनपुर में सभी भाइयों के साथ आयोजक मंडल ने बड़े भाई अनुराग अग्निहोत्री के घर पहुँचकर उन्हें भी यात्रा में आने का निमंत्रण दिया।कावड़ यात्रा की तैयारी और प्रचार में ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया (गौ सेवा जिला प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद), विशाल वर्मा, त्रिभुवन शर्मा, सचिन मिश्रा, अनीश वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, डॉ. दयाल विश्वास, हरमीत सिंह लाली, लक्ष्य गुप्ता, शौर्य गुप्ता समेत कई कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे हैं।श्रद्धालुओं में इस यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह कावड़ यात्रा क्षेत्र में आस्था और भाईचारे का नया उदाहरण बनेगी।

20 सीक्रेट तहखाने, दुबई के मौलाना से ट्रेनिंग, किताबें छापकर फैलानी थी नफरत, छांगुर के शैतानी दिमाग में क्या चल रहा था?

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में अवैध धर्मांतरण के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने जमालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया था। एटीएस की जांच में खुलासा हुआ है कि छांगुर अपने गुर्गों को प्रशिक्षण देने के लिए दुबई से मौलाना बुलाता था और नेपाल में सक्रिय दावत-ए-इस्लामी की टीम के साथ मिलकर धर्मांतरण की साजिश रच रहा था।

एटीएस के अनुसार, छांगुर ने बलरामपुर में दो आलीशान कोठियों का निर्माण कराया था, जिनमें तहखाने जैसे गुप्त कक्ष बनाए गए थे। इन कक्षों में धर्मांतरण के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते थे। छांगुर ने 20 कक्षों में नियमित

तकरीर (धार्मिक प्रवचन) शुरू करने की योजना बनाई थी। इसके लिए उसने प्रदेश के कई कट्टर मौलानाओं से संपर्क साधा था।

हिंदू श्रमिकों को बनाया निशाना

छांगुर ने हिंदू श्रमिकों और गरीब परिवारों को निशाना बनाया। पैसे का लालच देकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जाता था। इस मुहिम को और प्रभावी बनाने के लिए उसने 'शिजर-ए-तयब्बा' नामक किताब तैयार की थी, जिसका उद्देश्य इस्लाम को आसान भाषा में समझाकर लोगों को आकर्षित करना था। जांच में यह भी सामने आया कि छांगुर की अगली योजना हिंदू देवी-देवताओं के प्रति घृणा फैलाने वाली किताबें छापने की थी। इन किताबों के जरिए वह हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर धर्मांतरण को और तेज करने की फिराक में था।

कोठियों की तलाशी में कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद

एटीएस ने गुप्त सूचना के आधार पर छांगुर और नीतू उर्फ नसरीन को हिरासत में लिया। कोठियों की तलाशी में कई आपत्तिजनक दस्तावेज और सामग्री बरामद की गई है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। छांगुर बाबा, बलरामपुर के रेहरामाफी गांव का रहने वाला है। बचपन में वह साइकिल पर नग-रत्न और अंगूठियां बेचकर अपनी रोजी-रोटी चलाता था।

पिछले 15 वर्षों में छांगुर ने 3,000 से 4,000 हिंदुओं का धर्मांतरण करवाया। उसका नेटवर्क न सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित था, बल्कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार, पश्चिम बंगाल और यहां तक कि नेपाल तक फैला हुआ था। इस पूरे षड्यंत्र में उसकी सबसे बड़ी साथी थी नीतू उर्फ नसरीन, जो उसकी करीबी सहयोगी और राजदार थी। नीतू और उसके पति नवीन उर्फ जमालुद्दीन—जो मूल रूप से मुंबई के रहने वाले हैं—ने इस धर्मांतरण नेटवर्क को संगठित और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पीलीभीत में ससुरालवालों ने दामाद को दी तालिबानी सजा, पहले बेल्ट से पीटा... फिर पेड़ से बांधा

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक शख्स को बेरहमी से पीटा गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक मौलाना व उसके परिवार के लोग शख्स को जमीन पर गिराकर पीटते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगता है, लेकिन आरोपी उस पर तरस नहीं खाते। पीड़ित का नाम मोहम्मद यामीन है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामला अमरिया थाना क्षेत्र के बरा मझलिया गांव का बताया जा रहा है। पीड़ित शख्स को पीटने वाले उसके ससुर व ससुरालवाले बताए गए हैं। बताया गया है कि पीड़ित शख्स के नशे का आदी है। इसके कारण उसकी पत्नी परेशान रहती है। इस पर ससुरालवालों ने दामाद को घर बुलाकर बेल्ट से बेरहमी से पीटा। उसको पेड़ से बांधकर भी पीटा गया। चार मिनट के वीडियो में ससुराल पक्ष की तालिबानी सजा साफ दिख रही है। फिलहाल मामले में कोई शिकायत नहीं की गई है। वायरल वीडिया के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

फैशन में की गई ये गलतियां आपकी हाइट को दिखाती हैं छोटा, कहीं आप भी तो नहीं कर रहीं?

फैशन में की गई कुछ गलतियां ऐसी होती हैं जो आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकती हैं। ऐसी ही कुछ आम गलतियां हैं जो आपकी हाइट को भी कम दिखा सकती हैं। चलिए जानते हैं कि कौन सी फैशन मिस्टेक्स करने से आपको बचना चाहिए, ताकि आपकी हाइट कम न लगें।

फैशन का मकसद सिर्फ ट्रेंड फॉलो करना नहीं होता, बल्कि अपने बॉडी टाइप के मुताबिक सही आउटफिट और एक्सेसरीज चुनना भी उतना ही जरूरी होता है। कई बार हम लेटेस्ट फैशन के ट्रेंड्स फॉलो करने के चक्कर में कुछ ऐसा पहन लेते हैं या स्टाइल कर लेते हैं, जिससे नेचुरल ही हमारी हाइट कम दिखने लगती है। खासकर कम हाइट वाली महिलाओं के लिए ये मिस्टेक्स और भी बड़ा फर्क ला सकती हैं उनके लुक में।

फैशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि हाइट को बैलेंस्ड और लंबा दिखाने के लिए कुछ खास फैशन रूल्स होते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना सीधे आपके ओवरऑल अपीयरेंस पर इंपेक्ट डालता है। तो अगर आप भी मिरर के सामने खड़े होकर सोचती हैं कि आपकी हाइट और भी कम क्यों लग रही है तो ये आपके कपड़े और स्टाइलिंग की कुछ छोटी-छोटी फैशन मिस्टेक्स हों सकती है। चलिए जानते हैं कि कहीं आप भी तो ये मिस्टेक्स नहीं कर रही हैं और इन्हें कैसे ठीक किया जाए।

ओवरसाइज्ड कपड़ों का ट्रेंड

आज कल ओवरसाइज्ड कपड़ों का काफी ट्रेंड है, जिसे देखो अपने साइज से दोगुना बड़ी जींस, टी-शर्ट या शर्ट पहन रहे हैं। ऐसे में हर कोई इस ट्रेंड को फॉलो करने के चक्कर में लगा हुआ है। लेकिन अगर आपकी हाइट 5 । 5 फुट से कम है और आप ओवरसाइज्ड कपड़े पहन रही हैं तो ये आपकी हाइट को छोटा दिखा सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि ओवरसाइज्ड कपड़ों में बोडी का फैली हुई लगती है, जिससे खुद ब खुद लंबाई कम दिखने लगती है।

लो-वेस्ट जींस या पैंट्स

लो वेस्ट जींस या पैंट्स का फैशन भी आपकी हाइट को कम दिखा सकता है। अक्सर कुछ महिलाएं कमर से नीचे जींस पहनती हैं या पैंट्स वियर करती हैं तो ये भी उनके लुक को बिगाड़ सकता है। लो वेस्ट बॉटम पहनने से पैर दबे हुए दिखाई देते हैं, जिससे हाइट कम दिखने लगती है।

मिड लेंथ कुर्ता विद चुड़ीदार

आज कल फैशन के नाम पर लोग कुछ भी पहन रहे हैं। ऐसे में कुछ महिलाएं मिड लेंथ कुर्ती के साथ चुड़ीदार पहन लेती हैं। लेकिन ये बॉडी के बैलेंस को बिगाड़ने का काम करता है। इससे लेग्स छोटे लगते हैं और टॉप हैवी। बेहतर होगा कि छोटे कद की महिलाएं या तो थोड़ा छोटा कुर्ता पहनें या फिर उसे स्ट्रेट पैंट या पलाजो के साथ मैच करें ताकि एक लंबा और क्लीन लुक मिले।

गलत फुटवियर का चुनाव

फुटवियर आपकी ओवरऑल हाइट और पोश्चर में बड़ा रोल निभाता है। बहुत हैवी, चौड़ी या एंकल स्ट्रैप वाली चप्पलें और सैंडल्स पैरों को छोटा दिखा सकती हैं। खासतौर पर फ्लैट्स और बैक ओपन फुटवियर अगर सही तरीके से न चुना जाए तो आपकी हाइट और भी कम नजर आ सकती है। हल्के, नुकीले और स्किन टोन से मिलते-जुलते फुटवियर आपको लंबा दिखा सकते हैं।

लंबी टॉप्स के साथ गलत बॉटम्स

अगर आप बहुत लंबी टॉप या कुर्तियां पहनती हैं और उनके साथ ढीले-ढाले या बहुत चौड़े बॉटम्स पहनती हैं, तो इसका असर आपकी हाइट पर पड़ता है, जिससे आपका अपर बॉडी ज्यादा लंबा और लोअर बॉडी छोटा दिखाई देता है, जो आपकी हाइट को और भी कम दिखाता है। ऐसे में बैलेंस बना कर फिटेड या स्ट्रेट फिट बॉटम्स पहनना एक बेहतर ऑप्शन है।

सर्दी-खांसी का ये आसान घरेलू उपाय वजन घटाने में भी फायदेमंद, क्या आपको है इसकी जानकारी?

काली मिर्च का सेवन कैलोरी बर्न करने और आपके वजन को कम करने में भी लाभकारी है। इसमें पाइपरीन नामक यौगिक होता है जो मेटाबॉलिज्म तेज करता है, साथ ही ये फैट सेल्स को बढ़ने से भी रोकता है।

हमारे किचन में कई ऐसी औषधियां और मसाले मौजूद होते हैं जिन्हें सेहत के लिए बहुत लाभकारी पाया गया है। जब भी घर में किसी को सर्दी-खांसी होती है तो दादी-नानी का पहला नुस्खा होता है- काली मिर्च वाला काढ़ा या शहद में काली मिर्च पाउडर मिलाकर खाना। ये सिर्फ स्वाद बढ़ाने वाला मसाला नहीं है, बल्कि एक कारगर प्राकृतिक उपचार भी है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ाती है।

क्या आप जानते हैं कि सर्दी-खांसी का ये आसान घरेलू उपाय आपके वजन को कम करने में भी फायदेमंद हो सकता है? कई अध्ययन इस बात को प्रमाणित करते हैं कि काली मिर्च का सेवन कैलोरी बर्न करने और आपके वजन को कम करने में भी लाभकारी है।

काली मिर्च में होते हैं कई प्रभावी गुण

अध्ययनों से पता चलता है कि काली मिर्च कई ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है जिससे सेहत को विशेष लाभ हो सकता है। इसमें एक्टिव कम्पाउंड पिपेरिन होता है जो कफ को बाहर निकालने में मदद करता है। वहीं इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं जो वायरस को खत्म करने में मदद करते हैं।

सबसे बड़ी बात काली मिर्च प्रभावी इम्युनिटी बूस्टर भी है, ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर जल्दी रिकवरी में मदद करती है। काली मिर्च और शहद मिलाकर लेने से गले की सूजन और खराश कम होती है।

सर्दी-खांसी की समस्या को दूर करने के साथ काली मिर्च आपके वजन को घटाने में भी मददगार मानी जाती है।

वजन घटाने के लिए काली मिर्च

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, काली मिर्च में पाइपरीन नामक यौगिक होता है, जिससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है, साथ ही ये फैट सेल्स को बढ़ने से भी रोकता है। काली मिर्च के सेवन से शरीर की थर्मोजेनिक एक्टिविटी बढ़ती है, जिससे कैलोरी को जल्दी बर्न होने में मदद मिलती है।

इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते है, जो शरीर को डिटॉक्स करने में सहायक होते हैं। इससे वजन को कम करने में मदद मिलती है।

बहुत लाभकारी हैं ये छोटे दाने

काली मिर्च के सेवन से खाना अच्छी तरह से पचता है और ब्लोटिंग की समस्या नहीं होती है।

आप वजन को कम करने के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में 1 चम्मच नींबू का रस और एक चुटकी काली मिर्च पाउडर मिलाकर सुबह खाली पेट सेवन कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म तेज होगा और फैट तेजी से बर्न होना शुरू होगा। इसके अलावा आप सलाद, दाल, सब्जियों या अंडे में काली मिर्च का पाउडर डालकर सेवन कर सकते हैं, इससे भूख नियंत्रित होगी। काली मिर्च इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में भी सहायक है।

विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ पायल शर्मा बताती हैं, काली मिर्च का सेवन वैसे तो कई प्रकार से आपके लिए लाभकारी है पर एक दिन में काली मिर्च पाउडर को एक-दो ग्राम से अधिक मात्रा में सेवन न करें। इससे पेट में जलन, एसिडिटी हो सकती है। अगर आपको गैस्ट्रिक अल्सर या एसिड रिफ्लक्स है तो आहार विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

क्या कहती हैं

सेहत के लिए चीनी से ज्यादा खतरनाक है ये चीज, शरीर को धीरे-धीरे कर रही है बीमार

सेहत को ठीक रखना चाहते हैं तो खान-पान में सुधार करना सबसे जरूरी हो जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को कम उम्र से ही आहार को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं। जब भी बात खान-पान को ठीक रखने की होती है तो सबसे पहले लोगों को चीनी वाली चीजें छोड़ने की सलाह दी जाती है।

अच्छी फिटनेस के लिए हम में से कई लोग मीठे से परहेज तो करने लगते हैं, लेकिन समोसे, पकौड़े, पूरी, पकोड़ी और फ्रेंच फ्राइज जैसी तली-भुनी चीजें खाते रहते हैं। पर क्या आप जानते हैं? सेहत के लिए ये चीजें चीनी से ज्यादा नुकसानदायक हो सकती है, जिनपर अक्सर हमारा ध्यान ही नहीं जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, चीनी हमारी सेहत के लिए हानिकारक तो है ही, पर कई अध्ययन इस तरफ ध्यान आकृष्ट करते हैं कि तेल वाली चीजों का अधिक सेवन चीनी से ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है।

अध्ययनों से क्या पता चला?

इसी संबंध में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि जो लोग हफ्ते में 4 बार से ज्यादा डीप फ्राइड फूड खाते हैं, उनमें हृदय रोग और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा 50% तक बढ़ जाता है।

इसी तरह अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन की रिपोर्ट में बताया गया कि फ्राइड फूड में मौजूद ट्रांस फैट्स और एक्रिलामाइड जैसे तत्व कैंसरजनक हो सकते हैं, इससे स्तन और प्रोस्टेट कैंसर का खतरा कई गुना तक बढ़ सकता है।

तेल वाली चीजों का अधिक सेवन हानिकारक

तेल वाली चीजों का अधिक सेवन हमारी सेहत को और भी नुकसान पहुंचाता है। ट्रांस फैट्स (जैसे डल्ली के समोसे, जलेबी, बिस्किट, फ्रेंच फ्राइज) में मौजूद हाइड्रोजेनेटेड ऑयल सीधा रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इसके सा सैचुरेटेड और ट्रांस फैट का अत्यधिक सेवन दिल की बीमारियों का बड़ा कारण है।

सबसे गंभीर बात ये है कि तले हुए खाने से शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है, जो कैंसर जैसी कई घातक बीमारियों की जड़ है।

ज्यादा तेल वाली चीजें खाने से क्या दिक्कतें बढ़ती हैं?

ज्यादा तेल वाली चीजें खाना हमारी सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक है।

डीप फ्राइड चीजों में सैचुरेटेड और ट्रांस फैट्स होते हैं, जो बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं इससे धमनियां सख्त होती हैं और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है।

तेल वाली चीजों में कैलोरी बहुत ज्यादा होती है। रोजाना ऐसे खाने से शरीर में फैट जमा होता है और मोटापा तेजी से बढ़ता है।

तली-भुनी चीजें शरीर में इंफ्लेमेशन (सूजन) को बढ़ाती हैं, जिससे इंसुलिन हार्मोन का कार्य प्रभावित होता है और डायबिटीज का जोखिम बढ़ता है।

अधिक फैट और ट्रांस फैट्स लिवर को कमजोर करते हैं, जिससे फैटी लिवर की समस्या हो सकती है। यह आगे चलकर लिवर फेलियर तक पहुंच सकती है।

डॉ नरोत्तम बताते हैं, तली हुई चीजों का स्वाद भले ही हमारे मन ज्यादा भाता है पर ये धीरे-धीरे शरीर को बीमारियों का घर बना देती हैं। अच्छी सेहत चाहते हैं तो चीनी वाली चीजें तो कम खाना ही चाहिए पर इसके साथ जरूरी है कि आप तली-भुनी चीजें भी कम कर दीजिए।

अमिताभ कांत ने विश्व में अग्रणी वीजा को पीछे छोड़ने के लिए यूपीआई की सराहना की

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने यूपीआई की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन के साथ यह वीजा को शीर्ष स्थान से हटाते हुए दुनिया का लीडिंग रियल टाइम पेमेंट सिस्टम बन गया है।

कांत ने कहा, यूपीआई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। इसने नागरिकों के जीवन को बदल दिया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यूपीआई वीजा को पीछे छोड़कर दुनिया का लीडिंग रीयल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन गया है, जो प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन दर्ज करता है। केवल 9 वर्षों में यह उपलब्धि इसके बेजोड़ पैमाने और गति को दर्शाती है। भारत से लेकर दुनिया तक, यूपीआई डिजिटल पेमेंट क्रांति का नेतृत्व कर रहा है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में अपना प्रभुत्व मजबूत किया है। कुल लेनदेन में इसकी हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष के 79.7 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 83.7 प्रतिशत हो गई है।

आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि यूपीआई ने 2024-25 के दौरान 185.8 बिलियन लेनदेन की सुविधा प्रदान की, जो सालाना आधार पर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मूल्य के संदर्भ में, यूपीआई लेनदेन वित्त वर्ष 2024 के 200 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 261 लाख करोड़ रुपए हो गया।

आरबीआई ने कहा, यूपीआई की सफलता ने भारत को ग्लोबल रियल-टाइम पेमेंट में 48.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है।

पेमेंट सिस्टम, कार्ड नेटवर्क और प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के माध्यम से लेनदेन सहित देश में कुल डिजिटल पेमेंट, वित्त वर्ष 2025 में 35 प्रतिशत बढ़कर 221.9 बिलियन हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 164.4 बिलियन लेनदेन था। मूल्य के संदर्भ में, कुल डिजिटल भुगतान 17.97 प्रतिशत बढ़कर 2,862 लाख करोड़ रुपए हो गया।

क्रेडिट कार्ड लेनदेन वित्त वर्ष 2024 के 3.5 अरब से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 4.7 अरब हो गए, जबकि डेबिट कार्ड के इस्तेमाल में 29.5 प्रतिशत की तीव्र गिरावट आई और यह घटकर 1.6 अरब रह गया। गैर-नकद खुदरा भुगतानों की कुल मात्रा में डिजिटल लेनदेन की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025 में 99.9 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 99.8 प्रतिशत थी।

आरबीआई ने यह भी कहा कि वह 2028-29 तक यूपीआई को 20 देशों तक विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्यूआर कोड के माध्यम से भारतीय यूपीआई ऐप्स की स्वीकृति भूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात में पहले ही शुरू हो चुकी है, जिससे भारतीय पर्यटक, छात्र और व्यावसायिक यात्री अपने घरेलू यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल कर व्यापारियों को भुगतान कर सकते हैं।

क्रिकेट की तर्ज पर एक्टिव मोमेंटम निवेश से अच्छा लाभ, सरकारी शेयरों से मिला ज्यादा मुनाफा

अगर आप क्रिकेट के बारे में समझते हैं और देखते हैं तो निश्चित तौर पर आप इससे निवेश के बारे में भी समझ सकते हैं। म्यूचुअल फंड में मोमेंटम निवेश को कुछ इसी तर्ज पर विकसित किया गया है। इसका गणित बताती रिपोर्ट–

क्रिकेट की दुनिया में हम अक्सर खिलाड़ियों के फॉर्म में रहने या आउट ऑफ फॉर्म होने के बारे में सुनते हैं। फॉर्म में रहने वाला खिलाड़ी वह होता है, जो अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो। स्वाभाविक रूप से, टीम की जीत की संभावना बढ़ाने के लिए इन खिलाड़ियों को 11 की सूची में चुना जाता है। जो खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, उन्हें आमतौर पर तब तक आराम दिया जाता है, जब तक वे फॉर्म वापस नहीं पा लेते। एक्टिव मोमेंटम निवेश भी इसी सिद्धांत पर चलता है। यह अच्छा प्रदर्शन करने वाले या फॉर्म में रहने वाला स्टॉक चुनता है और पिछड़ने वाले स्टॉक को छोड़ देता है। जीतने वाले स्टॉक का समर्थन करने और खराब प्रदर्शन करने वालों को छोड़ देने की यह रणनीति पोर्टफोलियो को बाजार की गति का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है।

मूल्य-आय में किसी भी तरह की गति का योगदान

किसी शेयर को बाजार में मूल्य या आय में किसी भी तरह की गति मिल सकती है। मूल्य गति विभिन्न समयावधियों में अनुकूल मूल्य रुझानों और जोखिम समायोजित रिटर्न पर आधारित होती है। आय गति वाले शेयर वे होते हैं, जो आय वृद्धि की तेज गति प्रदान करते हैं या आय की दीर्घावधि में योगदान करते हैं या आम सहमति के अनुमानों को पीछे छोड़ देते हैं।

तेजी में सरकारी शेयरों से मिला ज्यादा मुनाफा

बाजार में तेजी का एक हालिया उदाहरण 2023-2024 में घरेलू सरकारी कंपनियों के शेयरों में देखा गया। भारत सरकार ने सड़क, रेलवे, रक्षा और ऊर्जा पर पूंजीगत खर्च बढ़ाया था और इन क्षेत्रों के सरकारी शेयरों को इसका सीधा लाभ मिला। मेक इन इंडिया पहल ने भी इनके रणनीतिक आकर्षण को बढ़ाया और निवेशकों को आकर्षित किया।

वर्षों तक लोकप्रियता से बाहर रहने के बाद ये शेयर कम मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे थे, जिससे लाभ की संभावना बन रही थी। बाजार ने 2024 के आम चुनावों के बाद नीतिगत निरंतरता को भी ध्यान में रखा, जिससे इन शेयरों को बढ़ावा मिला।

भारत का इक्विटी बाजार विविध है जिसमें अलग-अलग समय पर शेयर और सेक्टर अलग-अलग आय का रुझान प्रदर्शित करते हैं। एक्टिव मोमेंटम का उद्देश्य इन रुझानों का लाभ उठाना है।

घटनाएं किसी कंपनी की आय और मूल्य के रुझानों पर महत्वपूर्ण सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। एक विशेषता के रूप में एक्टिव मोमेंटम बाजार के रुझानों के आधार पर खुद अपनी स्टाइल बदल लेता है। इसमें लार्जकैप के साथ स्मॉल और मिडकैप में भी मोमेंटम पाया जा सकता है। -एस नरेन, मुख्य निवेश अधिकारी, आईपू म्यूचुअल फंड

रेलवे ने उठाया बड़ा कदम, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सभी कोचों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सकारात्मक परीक्षण परिणामों के आधार पर, रेलवे ने सभी यात्री कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला लिया है। इस पहल से ट्रेनों में होने वाले अपराधों पर अंकुश लगेगा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कैमरे यात्रियों की निजता को ध्यान में रखते हुए कोच के सामान्य आवागमन क्षेत्र, जैसे दरवाजों के पास लगाए जाएंगे।

यह कदम उन असामाजिक तत्वों और संगठित गिरोहों पर लगाम कसने में मददगार होगा, जो भोले-भाले यात्रियों को निशाना बनाते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक उच्चस्तरीय बैठक में इस योजना की समीक्षा की। बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसमें बताया गया कि उत्तरी रेलवे में किए गए सफल परीक्षणों के बाद अब देशभर के सभी कोचों और इंजनों में कैमरे लगाए जाएंगे। हर कोच में चार डोम-टाइप सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, दो-दो कैमरे दोनों दरवाजों के पास। वहीं, प्रत्येक इंजन में कुल छह कैमरे होंगे, आगे, पीछे और दोनों ओर एक-एक। इसके अलावा फ्रंट और रियर कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी कैमरे नवीनतम तकनीक से लैस होंगे और एसटीक्यूसी प्रमाणित होंगे। रेल मंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसे कैमरे लगाए जाएं, जो 100 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की रफ्तार से चल रही ट्रेनों में भी स्पष्ट रिकॉर्डिंग कर सकें, साथ ही कम रोशनी में भी बेहतर प्रदर्शन करें। उन्होंने अधिकारियों को इंडिया एआई मिशन के सहयोग से इन कैमरों द्वारा कैप्चर किए गए डेटा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की संभावनाएं तलाशने को भी कहा। रेलवे मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रियों की निजता से कोई समझौता न हो। कैमरे केवल सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जिससे सुरक्षा तो सुनिश्चित होगी ही, साथ ही किसी की गोपनीयता भी प्रभावित नहीं होगी। यह पहल भारतीय रेलवे की यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की शी जिनपिंग से मुलाकात, 20 दिन बाद नजर आए चीनी राष्ट्रपति

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 20 दिनों बाद मीडिया में नजर नहीं आ रहे थे। लंबे समय से शी जिनपिंग के साइलेंट तख्तापलट की अटकलें सुर्खियां बनी हुई थी, क्योंकि वह किसी सार्वजनिक समारोह में हिस्सा नहीं ले रहे थे और ब्रिक्स सम्मेलन से भी नदारद थे। सदस्य देशों के नेता SCO की मीटिंग के लिए चीन पहुंच चुके हैं, लेकिन शी को फिर भी नहीं देखा गया था, उन्हें आखिरी बार 24 जून को सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वांग के साथ देखा गया था। दोनों नेताओं ने बीजिंग में मुलाकात की थी। लेकिन मंगलवार को SCO से इतर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शी जिनपिंग से मुलाकात की है।

एस जयशंकर ने इस मुलाकात की जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा,

"आज सुबह बीजिंग में अपने साथी एससीओ विदेश मंत्रियों के साथ राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिवादन पहुंचाया। राष्ट्रपति शी को हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल ही में हुई प्रगति से अवगत कराया। इस संबंध में हमारे नेताओं के मार्गदर्शन को महत्व देता हूं।"

विदेश मंत्री का चीन दौरा

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय चीन यात्रा पर हैं। बीजिंग में आधिकारिक मीटिंग्स के बाद वे तिआनजिन में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक में आज शामिल होंगे।

SCO समिट (शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन) क्या है?

SCO (Shanghai Cooperation Organisation) एक राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संगठन है जिसमें 9 सदस्य देश (चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान और ईरान) और कई पर्यवेक्षक व डायलॉग पार्टनर देश शामिल हैं।

एक महीने के भीतर SCO की दूसरी बैठक

पिछले महीने SCO सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के बैठक हुई थी, जिसमें मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया था। इसमें भारत ने संयुक्त वक्तव्य का समर्थन करने से इनकार कर दिया और आतंकवाद पर कठोर भाषा को शामिल करने पर जोर दिया था। जो भारतीय स्थिति को प्रतिबिंबित करे, विशेष रूप से 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर।

कट्टर यहूदियों की पार्टी का नेतन्याहू को झटका, गठबंधन टूटने के बाद कुर्सी पर खतरा

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हो सकता है। गाजा जंग और इजराइल के साथ तनाव के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी को भी खतरा खड़ा हो गया है। इजराइल की अति-रूढ़िवादी पार्टियों में से एक यूनाइटेड तोरा जुडाइज्म (UTJ) ने कहा कि वह प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग हो रही है, क्योंकि येशिवा छात्रों को सैन्य सेवा से छूट देने के लिए विधेयक का मसौदा तैयार करने नेतन्याहू सरकार विफल रही है।

यूनाइटेड तोरा जूडाइज़्म के सात सांसदों में से छह ने इस्तीफा दे दिया है। ये सभी डेगेल हातोरा और अगुदत यिसरायल गुटों से आते हैं। बता दें कि येशिवा छात्रों को सैन्य सेवा में शामिल करने के आदेश के बाद यूनाइटेड तोरा जूडाइज़्म के अध्यक्ष यित्ज़ाक गोल्डकनॉफ़ ने एक महीने पहले इस्तीफा दे दिया था।

UTJ के इस कदम के बाद नेतन्याहू को 120 सीटों वाली नेसेट में 61 सीटों का मामूली बहुमत बचेगा। अभी ये साफ नहीं है कि दूसरी अति-रूढ़िवादी पार्टी शास भी ऐसा ही करेगी या नहीं, अगर शास ने भी ऐसा कदम उठाया तो नेतन्याहू की सरकार गिर सकती है, क्योंकि उसके पास 11 सांसद हैं।

डेगेल हाटोरा ने एक बयान में कहा कि अपने प्रमुख रब्बियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद और पवित्र येशिवा छात्रों, जो लगन से अपने अध्ययन में लगे हुए हैं, की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से अपनी प्रतिबद्धताओं के बार-बार उल्लंघन के बाद... गठबंधन और सरकार से अपने इस्तीफे की घोषणा की है।

अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टियों ने तर्क दिया है कि येशिवा छात्रों को छूट देने वाला विधेयक 2022 में बने गठबंधन में शामिल होने के उनके समझौते में एक प्रमुख वादा था। गोल्डकनॉफ़ के प्रवक्ता ने साफ किया कि यूनाइटेड तोरा यहूदी धर्म के कुल सात नेसेट सदस्य सरकार छोड़ रहे हैं। बता दें कि फार-राइट MP's लंबे समय से सैन्य भर्ती विधेयक के मुद्दे पर गठबंधन छोड़ने की धमकी दे रहे हैं।

क्या है सेना भर्ती विवाद?

गाजा में जारी युद्ध के बाद से इजराइल सरकार ने सेना को और मजबूत करने के लिए देश के सभी नागरिकों के लिए सैन्य ट्रेनिंग और कुछ सालों के लिए सेना में काम आनिवार्य कर दिया है। इस कानून के अंदर येशिवा छात्रों को भी रखा गया है। येशिवा छात्र वह छात्र हैं, जो दुनिया के कामों से दूर रहकर धर्म की पढ़ाई करते हैं।

आराम फरमा रहे लोगों पर यूनुस सरकार मेहरबान, खाली करने जा रही अपना खजाना!

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश कहने को तो आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। लेकिन यूनुस सरकार ऐसे कदम उठा रही है, जो इस खाई को और बढ़ाने वाले साबित होंगे। अब सरकार सैकड़ों रिटायर्ड अधिकारियों को गैर-प्रशासनिक पदों से प्रमोट करने की योजना बना रही है, हालांकि वे अपने नए पदों पर एक दिन भी काम नहीं करेंगे। इन अधिकारियों को अब टैक्स दे रही जनता के पैसा का और ज्यादा फायदा मिलेगा।

पिछले दिसंबर में, सरकार ने 119 सचिवों सहित 764 रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारियों को इसी तरह की पदोन्नति दी थी। इस फैसले की कई पूर्व सरकारी कर्मचारियों और लोक प्रशासन जानकारों ने आलोचना की थी। अब रिटायर हुए गैर-प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी यही प्रक्रिया शुरू हो रही है। इसके लिए सरकार ने पूर्व वित्त सचिव

जाकिर अहमद खान की अध्यक्षता वाली एक कमेटी की समय सीमा 30 जुलाई तक बढ़ा दी है।

जाकिर अहमद खान की कमेटी को 16 दिसंबर को बनाया गया था। इसका काम रिटायर हुए गैर-प्रशासनिक अधिकारियों (ग्रेड-III और उससे ऊपर) के आवेदनों की समीक्षा कर रही है। जिनका दावा है कि उन्हें पिछले 15 सालों में गलत तरीके से प्रमोशन से दूर रखा गया।

लोक प्रशासन मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी बांग्लादेश के अखबार 'द डेली स्टार' को बताया कि करीब 400 रिटायर अफसरों के नामों पर विचार किया जा रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि असल में कितने लोगों को प्रमोशन मिलेगी।

सरकार के फैसले पर उठ रहे सवाल

लोक प्रशासन विशेषज्ञ सरकार के इस फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार को यह साफ करना चाहिए कि इन सेवानिवृत्त अधिकारियों को अब सेवानिवृत्ति के बाद पदोन्नति और अतिरिक्त लाभ क्यों दिए जा रहे हैं। पूर्व अतिरिक्त सचिव फिरोज मिया ने कहा, "इसका कोई साफ वजह नहीं है कि कुछ लोगों को पदोन्नति क्यों दी जा रही है जबकि अन्य को छोड़ दिया जा रहा है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जनता का पैसा इस तरह क्यों खर्च किया जा रहा है।"

नर्स निमिषा प्रिया को माफ करने के लिए साढ़े 8 करोड़ रुपए भी लेने को क्यों राजी नहीं पीड़ित परिवार?

यमन। यमन जेल में बंद निमिषा प्रिया को सजा ए मौत से बचाने के लिए दिल्ली से सना तक हलचल तेज है। भारत सरकार के अधिकारियों से लेकर मुस्लिम धर्मगुरु तक इस मामले में एक्टिव है, लेकिन अब तक ब्लड मनी को लेकर बात नहीं बन रही है। ब्लड मनी ही वो आखिरी सहारा है, जिससे निमिषा प्रिया की जान बच सकती है।

निमिषा प्रिया पर अपने बिजनेस पार्टनर अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। इसी मामले में निमिषा को फांसी की सजा सुनाई गई है। यमन के शरिया कानून के मुताबिक अगर महदी का परिवार ब्लड मनी को लेकर राजी हो जाता है तो निमिषा को जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

परिवार 8.5 करोड़ रुपए देने को राजी

निमिषा के परिवार ने बतौर ब्लड मनी 8।5 करोड़ रुपए (1 मिलियन डॉलर) देने की पेशकश की है। पैसे जुटा भी लिए गए हैं, लेकिन अब्दो का परिवार इसको लेकर अब तक राजी नहीं है।

सवाल उठ रहा है कि आखिर अब्दो का परिवार इसे क्यों नहीं मान रहा है? क्या अब्दो महदी के परिवार को यह रकम कम लग रही है या उस पर कोई और ही दबाव है?

पूरे केस में हूती विद्रोही एक्टिव

निमिषा प्रिया केस में हूती विद्रोहियों का एक्टिव होना मुश्किलों का कारण बन गया है। सोमवार (14 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल ने इसके संकेत भी दिए। अटॉर्नी ने कहा कि हूती विद्रोहियों ने इसे सम्मान से जोड़ लिया है।

अब्दो महदी परिवार और हूती के विद्रोही ब्लड मनी पर बात नहीं कर रहे हैं। इसलिए यह मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा है। सरकार की कोशिश जारी है। परिवार भी वहीं पर है और बात चल रही है।

हूती विद्रोहियो को मनाने के लिए सुन्नी समुदाय के ग्रांड मुफ्ती ने केरल में डेरा डाल दिया है। ग्रांड मुफ्ती अबूबकर मुसलियार ने यमन के धर्मगुरु के साथ बंद कमरे में मुलाकात की है।

इसलिए भी हूती केस में बड़ा अड़ंगा

निमिषा प्रिया को भारत इसलिए भी नहीं बचा पा रहा है। क्योंकि हूती यमन में एक्टिव है और उसकी वजह से यमन की राजधानी में भारत का कोई दूतावास नहीं है। हूती के विद्रोही पिछले 6 साल से यमन और उसके आसपास तांडव मचा रहे हैं।

भारतीय दूतावास सऊदी के रियाद से इस पूरे प्रकरण को मॉनिटर करने की कवायद कर रहा है, लेकिन हूती के रिश्ते सऊदी से भी ठीक नहीं है। हूती सऊदी को अमेरिका का पिट्ठू मानता है और उसके खिलाफ हर वक्त मोर्चा खोले रखता है।

MP के कार्टूनिस्ट को सुप्रीम संरक्षण; नाराज अदालत ने कहा- लोग किसी को कुछ भी कह देते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित कार्टून साझा करने वाले कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने संरक्षण दिया। कोर्ट ने आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर नाराजगी भी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग किसी को कुछ भी कह देते हैं। हमें इस बारे में कुछ करना होगा।

आरोपी कार्टूनिस्ट को मंगलवार को दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान करते हुए जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि यदि वह सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करना जारी रखते हैं, तो राज्य कानून के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। जस्टिस धूलिया ने कहा कि हम इस मामले में चाहे जो भी करें, लेकिन यह निश्चित रूप से मामला है कि भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया जा रहा है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है।

क्या है मामला

हेमंत मालवीय की तरफ से वरिष्ठ वकील वृंदा ग्रोवर सुप्रीम कोर्ट में पेश हुईं। वृंदा ग्रोवर ने कहा कि 'यह मामला बेशक अरुचिकर और खराब है, लेकिन यह अपराध नहीं है? यह निंदनीय हो सकता है, लेकिन यह अपराध नहीं है।' इस पर पीठ ने कहा कि यह बेशक अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन है। हेमंत ग्रोवर ने साल 2021 में कोरोना महामारी के दौरान ये आपत्तिजनक कार्टून सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे।

इनके खिलाफ संघ कार्यकर्ता और वकील विनय जोशी ने इंदौर के लसूड़िया थाने में मई माह में शिकायत दर्ज कराई। विनय जोशी ने आरोप लगाया कि हेमंत मालवीय ने कार्टून के जरिए हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और सांप्रदायिक सद्भाव को भी बिगाड़ने की कोशिश की। जोशी ने आरोप लगाया कि कार्टूनिस्ट ने भगवान शिव, पीएम मोदी, आरएसएस को लेकर आपत्तिजनक कार्टून, वीडियो और फोटोग्राफ पर आपत्ति जताई और हिंदू धर्म और संघ की छवि बिगाड़ने का आरोप लगाया। पुलिस ने मालवीय के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

इस पर हेमंत मालवीय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की, लेकिन मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी। मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि ऐसी चीजें लगातार हो रही हैं।

ओवैसी की पार्टी का पंजीकरण रद्द करने की मांग वाली याचिका, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिसमें हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का पंजीकरण रद्द करने की मांग की गई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी और साथ ही उन्हें नई याचिका दायर करने की भी अनुमति दी, जिसमें देश में राजनीतिक पार्टियों के मामले में संशोधन की मांग की जाएगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी एआईएमआईएम का चुनाव आयोग में पंजीकरण रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में तिरुपति नरसिम्हा मुरारी नामक व्यक्ति ने याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि

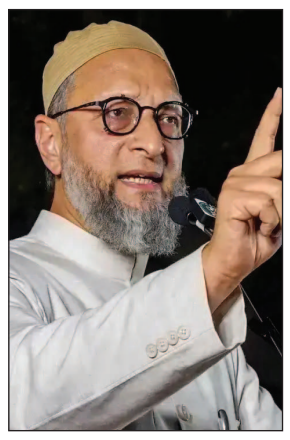

एआईएमआईएम ने अपने उद्देश्य में बताया है कि यह पार्टी मुस्लिम समुदाय की सेवा करना चाहती है। ऐसे में इस पार्टी को जनप्रतिनिधि कानून की धारा 29ए के तहत मान्यता नहीं दी जा सकती क्योंकि यह देश के धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन अदालत में पेश हुए।

सिविल सर्जन ने कहा– शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना प्राथमिकता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

दरभंगा। जिले में मंगलवार को डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ किया गया। बहादुरपुर प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अभियान का शुभारम्भ करते हुए सिविल सर्जन डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता में शामिल है। अभियान के तहत जिले में शून्य से पांच साल तक के सभी बच्चों को आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां उपलब्ध कराएंगी।

सिविज सर्जन ने इस मौके पर शून्य से पांच साल तक के कुछ बच्चों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां प्रदान की और उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए। उन्होंने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मियों की बैठकों में डायरिया से जुड़े प्रमुख संदेशों पर प्राथमिकता से चर्चा की जाएगी। बैठक में बताया जाएगा कि दस्त के दौरान बच्चों को तरल पदार्थ दिया जाए, दस्त होने पर बच्चों को उम्र के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली अवश्य दी जाए, स्वच्छ पेयजल का उपयोग किया जाए और खाना बनाने से पूर्व, परोसने से पूर्व और खाना खिलाने से पूर्व और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह से अवश्य धुलें। सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस और जिंक कॉर्नर बनाए गए हैं और दीवार लेखन के माध्यम से भी लोगों को डायरिया के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फ्रंट लाइन वर्कर का डायरिया के बारे में अभिमुखीकरण भी किया जा रहा है।

प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए मंगलवार को ही सिविल सर्जन डॉ. अरुण कुमार ने प्रचार वाहनों को भी रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे। डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर व पम्पलेट से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का संदेश पहुंचाएंगे। यह प्रचार वाहन पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से संचालित किए जायेंगे। इसके साथ ही सिविल सर्जन ने डायरिया के प्रति जागरूकता के लिए हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर डीपीएम शैलेश चंद्रा, डीसीएम रवि कुमार, संस्थान के प्रभारी डॉ. तारिक मंजर, बीएचएम रेवती रमण, बीसीएम मनोज कुमार, पीएसआई इंडिया से संजय तरुण, अखिलेश एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

नई पारी शुरू करने जा रहीं श्वेता त्रिपाठी, तिलोत्तमा शोम के साथ मिलाया हाथ

अपनी पहली फीचर फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' का प्रोडक्शन करने जा रही हैं। इसके लिए उन्होंने 'पाताल लोक' की अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम के साथ हाथ मिलाया है। वैरायटी के मुताबिक फिल्म में विचित्र प्रेम कहानी दिखाई जाएगी और इसमें तिलोत्तमा शोम के साथ श्वेता त्रिपाठी भी होंगी।

श्वेता त्रिपाठी के दिल के करीब है फिल्म

वैरायटी के मुताबिक श्वेता त्रिपाठी ने कहा 'यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। इसलिए नहीं कि बतौर प्रोड्यूसर यह मेरी पहली फिल्म है बल्कि इसकी कहानी की वजह से।' उन्होंने आगे कहा 'प्रेम कहानियां बहुत ही ईमानदारी, खूबसूरती और सूक्ष्मता से बताई जानी चाहिए। चूंकि इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम हैं, इसलिए यह और खास है। वह ना सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं बल्कि वह ऐसी इंसान हैं जिन पर मैं बहुत भरोसा करती हूं। लंबे समय से मैं चाहती थी कि हम साथ में काम करें। उनके बगैर मैं इस प्रोजेक्ट को शुरू नहीं कर सकती।'

तिलोत्तमा शोम निभाएंगी अहम किरदार

फिल्म में तिलोत्तमा शोम अहम किरदार निभाएंगी। इसका निर्देशन नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है।

श्वेता त्रिपाठी का काम

श्वेता त्रिपाठी 'मसान', 'हरामखोर', 'द इलीगल', 'कार्गो' और 'कंजूस मक्खीचूस' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह वेब सीरीज 'क्या मस्त है लाइफ', 'मिर्जापुर' और 'लाखों में एक' में नजर आ चुकी हैं।

तिलोत्तमा शोम का काम

तिलोत्तमा शोम ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनमें 'मानसून वेडिंग', 'सर', 'शैडोबॉक्स' और 'ए डेथ इन द गूंज' शामिल हैं। वह 'दिल्ली क्राइम', 'द नाइट मैनेजर', और 'पाताल लोक' जैसे शोज में नजर आई हैं।

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' और फिल्म 'मसान' में बेहतरीन अदाकारी करने वाली अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब नई पारी शुरू करने के लिए तेयार हैं। वह जल्द ही प्रोडक्शन में डेब्यू करेंगी। वह

शुरू हुआ 'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज का प्रोडक्शन, निर्माताओं ने जारी किया पहला लुक

'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज का प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। निर्माताओं ने अधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की है। सोमवार को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एचबीओ मैक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अभिनेता डोमिनिक मैक्लॉघलिन की पहली तस्वीर शेयर कर इसकी जानकारी दी। तस्वीर में अभिनेता खास ड्रेस में हैरी पॉटर जैसे दिख रहे हैं। पहले लुक में देखा जा सकता है कि अभिनेता ने अपने हाथ में एक क्लैपबोर्ड लिया हुआ है।

डोमिनिक मैकलॉघिन के ऊपर अब बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वह उस भूमिका को निभाने जा रहे हैं जिसे अभिनेता डैनियल रैडक्लिफ ने निभाया और दर्शकों का दिल जीता। तस्वीर में डोमिनिक, हॉगवर्ट्स स्कूल की ड्रेस में खड़े नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने हैरी पॉटर का गोल चश्मा पहना है। तस्वीर शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा गया है 'प्रथम वर्ष के छात्रों, आगे बढ़ो। एचबीओ ओरिजिनल हैरी पॉटर सीरीज का अब प्रोडक्शन शुरु हो रहा है।'

यूजर्स को पसंद आई पहली तस्वीर

सीरीज की ये तस्वीर जैसे ही सोशल मीडिया पर शेयर की गई, वैसे ही इस पर लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा 'हैरी के रूप में आप अच्छे दिख

रहे हैं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'आपको बधाई छोटे हैरी, उसे सभी नफरत करने वालों से बचाएं।' एक और फैन ने लिखा है 'अपनी तरफ से अच्छा करो, छोटे हैरी।' एक और यूजर ने कहा 'वाह, वह बिल्कुल हैरी की तरह नजर आ रहा है। मैं हैरी पॉटर का सबसे बड़ा फैन हूं। मैं बहुत खुश हूं।'

सीरीज में ये कलाकार आएंगे नजर

आपको बता दें कि 'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज जेके रोलिंग की किताब 'हैरी पॉटर' पर आधारित है। नई सीरीज में एलेस्टेयर स्टाउट रॉन वीसली की भूमिका निभाएंगे और अरबेला स्टैंटन हरमाइन ग्रेंजर की भूमिका निभाएंगी। जॉन लिथगो डंबलडोर की भूमिका निभाएंगे, जबकि जेनेट मैकटियर प्रोफेसर मैकगोनागल बनेंगी। साथ ही पापा एसीडू स्नैप के किरदार में दिखेंगे और निक फ्रॉस्ट हाग्रिड के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा ल्यूक थालोन और पॉल व्हाइटहाउस जैसे कलाकार भी इस जादुई सफर का हिस्सा बनेंगे।

हैरी पॉटर किताब की लेखिका जे.के. रोलिंग इस प्रोजेक्ट में कार्यकारी निर्माता के तौर पर जुड़ी हैं और उन्होंने साफ किया है कि यह सीरीज उनकी किताबों के साथ न्याय करेगी। माना जा रहा है कि यह शो नई पीढ़ी के लिए 'हैरी पॉटर' की दुनिया को एक बार फिर जीवंत करेगा।

गिटार की धुन के साथ वेदांग रैना ने गाया जश्न–ए–बहारा, फैंस बोले– खुशी कपूर जिंदगी में जीत गईं

कपूर खानदान की लाडली खुशी कपूर के रूमर्ड बॉयफ्रेंड और एक्टर वेदांग रैना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वेदांग खूबसूरत आवाज में गाना गाते हुए नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड अभिनेता वेदांग रैना एक अच्छे सिंगर भी हैं, ये बात तो हर कोई जानता है। अब वेदांग का हाल ही में एक वीडियो इंटरनेट पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है, जिसमें खुशी कपूर के रूमर्ड बॉयफ्रेंड वेदांग रैना रोमांटिक अंदाज में गिटार बजाते हुए गाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के आते ही फैंस एक्टर की आवाज पर फिदा हो गए हैं।

वेदांग ने दिखाया सिंगिंग टैलेंट

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' में अपने डेब्यू के बाद से वेदांग रैना अक्सर अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चाओं में रहते हैं। हालांकि अब वो अपने सिंगिंग टैलेंट के कारण चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो संजय लीला भंसाली की फिल्म जोधा अकबर का मशहूर गीत 'जश्न-ए-बहारा' गा रहे हैं। इस वीडियो में वेदांग को गिटार के सुरों पर गाते देखकर फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं।

वीडियो पर आया फैंस का रिएक्शन

इस वीडियो को देखकर फैंस की तरफ से कई रिएक्शन्स देखने को मिल रहे हैं। कमेंट सेक्शन में लोग न सिर्फ उनकी आवाज की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि कई लोगों ने लिखा कि उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे ये गाना वेदांग के लिए ही बना हो।

वेदांग की पर्सनल लाइफ

गौरतलब है कि खुशी कपूर के साथ उनके रिश्ते को लेकर पहले ही कई बार अटकलें लग चुकी हैं। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को ऑफिशियली स्वीकार नहीं किया है, लेकिन पब्लिक अपीयरेंस और सोशल मीडिया एक्टिविटी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों एक-दूसरे के काफी करीब हैं।

फिल्म 'जिगरा' में आए थे नजर

फिलहाल, वेदांग रैना का ये गाना इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहा है और फैंस बेसब्री से उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स का इंतजार कर रहे हैं। आखिरी बार वेदांग आलिया भट्ट के साथ फिल्म जिगरा में नजर आए थे। इस फिल्म में वेदांग ने आलिया के भाई का किरदार निभाया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com